twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 03 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 176, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पीएम मोदी की केरल को 8900 करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विझिनजाम बंदरगाह देश को किया समर्पित

तिरुवनंतपुरम

केरल की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 8,900 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने हजारों करोड़ की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (अदाणे) की ओर से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75% ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था, इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था, अब वो केरल और विझिनजम के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा।

'आज भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती'

इससे पहले उन्होंने कहा कि आज भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती है। तीन वर्ष पूर्व सितंबर में मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। केरल से निकलकर देश के अलग-अलग कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया। इस पुनीत अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं।

गुलामी से पहले के दौर का भी जिक्र किया

उन्होंने कहा कि गुलामी से पहले हमारे भारत ने हजारों वर्ष की समृद्धि देखी है। एक समय वैश्विक जीडीपी में मेजर शेयर भारत का हुआ करता था। उस दौर में हमें जो चीज दूसरे देशों से अलग बनाती थी, वो थी समुद्री क्षमता, हमारी पोर्ट सिटी की आर्थिक गतिविधि। केरल का इसमें बड़ा योगदान था।

विकास और व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता: मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि बंदरगाह अर्थव्यवस्था की पूरी क्षमता का एहसास तब होता है, जब बुनियादी ढांचे के विकास और व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता दी जाती है और बढ़ावा दिया जाता है। पिछले एक दशक में यह दृष्टिकोण सरकार की बंदरगाह और जलमार्ग नीतियों का आधार रहा है। औद्योगिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

हार्ड हैट पहनकर ट्रांसशिपमेंट हब का चक्कर लगाया

इससे पहले प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम शहर से हेलीकॉप्टर द्वारा बंदरगाह क्षेत्र में पहुंचे। हार्ड हैट पहनकर ट्रांसशिपमेंट हब का चक्कर लगाया। बाद में, उन्होंने केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर, विजयन, गौतम अदाणी और थरूर की उपस्थिति में सुविधा के पहले चरण का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया।

'गुजरात के लोग अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी से निराश होंगे'

गुजरात के लोग अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी से निराश होंगे, जिन्होंने केरल में इतना बड़ा बंदरगाह बनाया है, जबकि वे पश्चिमी भारतीय राज्य से आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के बंदरगाह मंत्री वीएन वासवन की ओर से अदाणी समूह यानी एक कॉर्पोरेट इकाई को कम्युनिस्ट सरकार के भागीदार के रूप में स्वीकार करना देश में हो रहे बदलावों को दिखाता है

आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला: मोदी

तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को केरल दौरे पर हैं। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ मंच साझा किया। उन्होंने विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह में कहा, 'मैं सीएम को बताना चाहता हूं कि आप INDI गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला है। हालांकि, उनके भाषण को स्थानीय भाषा में दोहराने वाले व्यक्ति ने इसका ठीक से अनुवाद नहीं किया। इससे प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि संदेश उन तक पहुंच गया है, जिन्हें यह संदेश पहुंचाना था। इससे पहले उन्होंने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में विझिनजम अंतरराष्ट्रीय गहरे पानी के बहुउद्देशीय बंदरगाह का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75% ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था, इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था, अब वो केरल और विझिनजम के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा।

'ट्रांसशिपमेंट हब क्षमता तीन गुनी हो जाएगी'

देश में विकास का ब्यौरा देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि नाविकों की संख्या के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। पिछले 10 वर्षों में हमारे बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है। उनकी दक्षता में सुधार हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रज्ञा ठाकुर की जमानत रद्द करने की मांग का निस्तारण किया

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में आरोपित भाजपा नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका का निस्तारण कर दिया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस मामले पर ट्रायल कोर्ट फैसला सुरक्षित रख चुका है, इसलिए अब इस याचिका पर सुनवाई का कोई मतलब नहीं है। दरअसल, याचिकाकर्ता निसार ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर पर गंभीर आरोप के बावजूद स्वास्थ्य कारणों की वजह से जमानत देने का विरोध किया है। मालेगांव में 29 सितंबर 2008 में विस्फोट हुआ था। इसमें 8 लोग मारे गए थे जबकि 80 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस घटना की जांच महाराष्ट्र पुलिस की एटीएस ने की थी। इसके बाद यह मामला जांच के लिए एनआईए को सौंप दिया गया था। प्रज्ञा ठाकुर की गिरफ्तारी भी एटीएस ने की थी। प्रज्ञा ठाकुर लगभग नौ साल से जेल में थी। प्रज्ञा ठाकुर पर कथित तौर पर ब्लास्ट की प्लानिंग करने और ब्लास्ट के लिए इस्तेमाल की गई बाइक उपलब्ध कराने का आरोप है।

पाक का बेहूदा कदम: भारतीय गानों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को कराए गए आतंकी हमले से सरहद पर छाई अशांति के बीच पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (पीबीए) ने बेहूदा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने हाल ही में भारतीय (बॉलीवुड) गानों पर प्रतिबंध पर लगा दिया है। साथ ही मुल्क के नामचीन कई अभिनेता-अभिनेत्रियों के इंस्टाग्राम अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है। मुल्क के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इसका खुलासा पहली मई को करते हुए पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन को बधाई दी। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने पाकिस्तान के एफएम रेडियो पर भारतीय गीतों का प्रसारण बंद करने के पीबीए के फैसले की सराहना की है। मंत्रालय ने तेजी से बदलते मौजूदा हालात के मद्देनजर पाकिस्तान के एफएम रेडियो चैनलों पर भारतीय गीतों का प्रसारण बंद करने के एसोसिएशन के सैद्धांतिक फैसले की सराहना की है।

दिल्ली में रिकॉर्डतोड़ बारिश... 80 किमी की रफ्तार वाली आंधी से 4 की मौत

नई दिल्ली

अप्रैल में भीषण गर्मी से जूझने के बाद दिल्ली वासियों को मई की शुरूआत में खासी राहत मिली है। यह बात अलग है कि रिकॉर्ड वर्षा से जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया है। इतना ही नहीं तेज आंधी के चलते दिल्ली में एक मकान पर पेड़ गिर गया, जिससे तीन बच्चों और उनकी मां की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अभी एक सप्ताह तक गर्मी के तेवर हल्के ही रहेंगे। कमोबेश रोज बादल छाए रहने, हल्की वर्षा होने व तापमान भी कम ही रहने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार आधी रात के बाद से सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली में 77.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि, सर्वाधिक वर्षा सुबह पांच से छह बजे के बीच हुई है। इसी दौरान 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी आंधी भी चली। मई के महीने में एक दिन की 17 सालों (2009 से 2025) में यह दूसरी सर्वाधिक वर्षा है।

दिल्ली वालों को मिला बड़ा तोहफा, सड़कों पर उतरीं 400 नई इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में सेवा नगर स्थित कुशक नाला डिपो में शुक्रवार को दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इंटरकनेक्टर योजना का केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ उन्होंने 400 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भाजपा की सरकार चुनने के लिए दिल्ली की जनता का आभार जताया। कहा आपकी वजह से ही आज दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहन उतर पाए हैं।

ये है आगे का प्लान

वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस साल के अंत तक और 2080 इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली की सड़कों पर उतरी जाएंगी। वहीं, अगले साल तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट के सारे व्हीकल शत प्रतिशत कर दिए जाएंगे। पब्लिक और प्राइवेट तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए 9000 करोड़ से इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, परिवहन मंत्री डा. पंकज सिंह, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा, सांसद रामवीर सिंह बिधूडी, बांसुरी स्वराज आदि उपस्थित रहीं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली में डीटीसी बेड़े में 400 ई बसों को जोड़ कर जनता की सेवा में समर्पित करने का स्वागत किया है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल सरकार ने दस साल तक डीटीसी के बस बेड़े में एक भी बस नही जोड़ी थी। इससे डीटीसी की सभी बसे अपना कानूनी फिटनेस जीवन से भी दो साल अधिक चल चुकी है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहें तो इनमें लोगों को यात्रा करवाना एक मजबूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार गंभीर

ओडिशा में नेपाली छात्र की मौत पर जताया शोक

नई दिल्ली

ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित केआईआईटी यूनिवर्सिटी में पढ़ रही एक नेपाली छात्रा की दुखद मृत्यु पर भारत सरकार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को अत्यंत गंभीरता से लेती है। मामले में अब तक की सभी जानकारी संबंधित पक्षों के बीच पारदर्शिता के साथ साझा की जा रही है और सरकार यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि पीड़ित परिवार को न्याय और सहायता मिल सके। मंत्रालय ने बताया कि वह नेपाली अधिकारियों, ओडिशा सरकार और केआईआईटी प्रबंधन के साथ लगातार संपर्क में है ताकि इस मामले में समय पर जानकारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "हमें केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर के एक नेपाली छात्रा की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख है। इस कठिन समय में हम शोकसंतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।" बयान में यह भी बताया गया कि जैसे ही घटना की जानकारी मिली मंत्रालय ने ओडिशा सरकार से संपर्क साधा। ओडिशा सरकार ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग प्रदान किया है और इस मामले की विस्तृत जांच ओडिशा पुलिस द्वारा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि ओडिशा की केआईआईटी यूनिवर्सिटी में पिछले ढाई महीने में दो नेपाली छात्राओं की संदिग्ध मौतें हुई हैं।

परंपराओं के लिए आवाज बुलंद करने की जरूरत: जयशंकर

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अतीत में उपनिवेशवाद और बड़ी शक्तियों के प्रभुत्व की वजह से बहुलवाद को दबाया गया। वैश्विक व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाने के प्रयासों के बीच परंपराओं, विरासत और विचारों के लिए आवाज बुलंद करना जरूरी है। जयशंकर विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) में सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ वैश्विक मीडिया संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मजबूत रचनात्मकता में योगदान देने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं के लिए सहज गतिशीलता की भी जोरदार वकालत की।

'प्रौद्योगिकियों का गैर-जिम्मेदाराना उपयोग एक बढ़ती हुई चिंता'

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच विदेश मंत्री ने आगाह किया कि उभरती प्रौद्योगिकियों का गैर-जिम्मेदाराना उपयोग एक बढ़ती हुई चिंता होगी। आज या आने वाले समय में जब भी इस पर विचार किया जाएगा तो पूर्वाग्रह को कम करना, लोकतंत्रीकरण करना और नैतिकता को प्राथमिकता देना सभी उसका हिस्सा होंगे।

60 देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित किया

जयशंकर ने 60 देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि सच्चाई यह है कि दुनिया अनिवार्य और आंतरिक रूप से विविध है।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर नई याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर नयी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हम इस मामले में केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे। याचिकाकर्ता चाहें तो उन मामलों में हस्तक्षेप कर सकते हैं। वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट पांच मई को सुनवाई करने वाला है। नयी याचिका मोहम्मद सुल्तान ने दायर की थी। इससे पहले केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि ये संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है।

निजी संस्थानों को भी एसआईआरएफ रैंकिंग में सम्मिलित किया जाए: सीएम

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, परंतु आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। मुख्यमंत्री जी शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में वर्ष 2024-25 हेतु कुल 1.64 लाख सीटों पर नामांकन हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें टडडउ आधारित अध्ययन, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम सम्मिलित किए गए हैं। सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय के 12,739 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ, जिसमें अधिकतम वार्षिक वेतन ?59.91 लाख रहा। इसी प्रकार, एमएमएमयूटी, गोरखपुर में वर्ष 2023-24 में छात्रों को ?52 लाख वार्षिक वेतन तक के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं।

पाकिस्तान में बैठे हैं पहलगाम हमले के हैंडलर : फारूक अब्दुल्ला

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आईएएनएस से खास बातचीत की। उन्होंने पहलगाम की घटना को दर्दनाक बताया साथ ही पाकिस्तान पर कड़े एक्शन की मांग की। पहलगाम आतंकी हमले पर बात करते हुए जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा, पहलगाम की घटना बहुत दर्दनाक थी, यह होना नहीं चाहिए था। उन लोगों ने इंसानियत का कत्ल किया है, जितनी भी इस घटना की निंदा की जाए, वह कम है। मैं मांग करता हूं कि आतंकियों को पकड़कर सजा दी जाए और ये सब लोगों के लिए मिसाल हो। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की बात पर उन्होंने कहा,पहलगाम की घटना में कोई भी हो सकता है, जब तक हम उनको पकड़ेंगे नहीं तब तक हम यह नहीं कह सकते हैंडलर कौन है। मैं कह सकता हूं कि इस हमले के पीछे वही होंगे, ये आज की बात नहीं है बल्कि उरी, पुलवामा, पठानकोट, पुंछ और मुंबई में अटैक किसने किया था? ये बात सभी लोग जानते हैं। हैंडलर तो वहीं (पाकिस्तान) बैठे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा,

उनको (पाकिस्तान) लगा कि हम अमन से रह रहे हैं और यहां हजारों पर्यटक घूम रहे हैं। उनको यह पसंद नहीं आया और वह चाहते हैं कि जब हम 1947 में उनके साथ नहीं बने हैं तो वह जितना हमें बर्बाद कर सकेंगे, वो ऐसा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पहलगाम हमले में स्थानीय नागरिकों के हाथ होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं नहीं समझता कि यह घटना किसी मदद के बिना हो सकती है, जब तक आतंकियों का कोई साथ नहीं देगा ऐसा हमला नहीं होगा। वह कहां से आए और किस तरीके से ये हमला किया? मैंने पहले भी कहा था कि जब मौलाना मसूद अजहर को छोड़ा गया था। उस समय मैंने कहा था उसको मत छोड़ें, क्या पता इस हमले में उसका भी हाथ हो, लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं मानी और उसे लेकर चले गए। जिसने पाकिस्तान में बच्चों को मारा हो और मेरे चचेरे भाई को घर में घुसकर गोली मार दी हो। उस शख्स को हमने बड़ी मुश्किल से पकड़ा था, मगर वह उसे जहाज में बैठाकर कंधार लेकर चले गए और हमारी एक भी बात नहीं सुनी। क्या पीओके को भारत वापस ले सकता है? इस सवाल पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, यह देश के प्रधानमंत्री का फैसला होगा और इसमें फारूक अब्दुल्ला उनको कोई राय नहीं दे सकता है, क्योंकि वह हमारी राय मानने के लिए तैयार नहीं होते हैं। प्रधानमंत्री के हाथ में देश सुरक्षित होने के सवाल पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा, अगर देश पीएम के हाथों में सुरक्षित नहीं होता, वह पीएम नहीं होते। आज प्रधानमंत्री को हर एक नागरिक का ख्याल रखना है और वो ऐसा कर भी रहे हैं। पाकिस्तानियों को भारत से बाहर निकाले जाने पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा, लोग पिछले 50 साल से यहां रह रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार गंभीर, ओडिशा में नेपाली छात्र की मौत पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित केआईआईटी यूनिवर्सिटी में पढ़ रही एक नेपाली छात्रा की दुखद मृत्यु पर भारत सरकार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को अत्यंत गंभीरता से लेती है। मामले में अब तक की सभी जानकारी संबंधित पक्षों के बीच

पारदर्शिता के साथ साझा की जा रही है और सरकार यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि पीड़ित परिवार को न्याय और सहायता मिल सके। मंत्रालय ने बताया कि वह नेपाली अधिकारियों, ओडिशा सरकार और केआईआईटी प्रबंधन के साथ लगातार संपर्क में है ताकि इस मामले में समय पर जानकारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हमें केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर के एक नेपाली छात्रा की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख है। इस कठिन समय में हम शोकसंतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैंबयान में यह भी बताया गया कि जैसे ही घटना की जानकारी मिली मंत्रालय ने ओडिशा सरकार से संपर्क साधा। ओडिशा सरकार ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग प्रदान किया है और इस मामले की विस्तृत जांच ओडिशा पुलिस द्वारा की जा रही है। उल्लेखनीय है कि ओडिशा की केआईआईटी यूनिवर्सिटी में पिछले ढाई महीने में दो नेपाली छात्राओं की संदिग्ध मौतें हुई हैं। दोनों छात्राएं छात्रावास में मृत मिली थीं।

कांग्रेस, सपा और राजद मचा रहे जाति जनगणना का श्रेय लेने का झूठमूठ का हल्ला : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने जाति जनगणना का झूठा श्रेय लेने के लिए कांग्रेस, सपा और राजद की आलोचना की। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा, परिवादी तिकड़ी में जकड़ी कांग्रेस, सपा और राजद तीनों जाति जनगणना का श्रेय लेने का झूठमूठ का हल्ला मचा रहे हैं। दस साल पहले यूपीए शासनकाल में राजद नेता लालू प्रसाद यादव और सपा नेता मुलायम सिंह यादव यानी दो यादव परिवार कांग्रेस के शाही परिवार की मजबूत बैसाखी बनकर केंद्र की सत्ता में अपना हिसाब-किताब साफ कर रहे थे। कांग्रेस दोनों को जांच एजेंसियों का ख़ौफ़ दिखा रही थी। आय से अधिक संपत्ति के संगीन मामले थे। अमेरिका से परमाणु समझौता कराने में भी सपा की कथित

भूमिका थी। जाति जनगणना की पैरोकारी तब केवल छलावा भर थी। अब जाति जनगणना का झूठा श्रेय लेकर खुशी में पटाखा फोड़कर अपनी जग हंसाई करा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की कमान संभालने के बाद दबी-कुचली जातियों को एक नई चेतना मिली है। जाति जनगणना से उनको सबको हर स्तर पर अपना हक मिलेगा और देश भी मजबूत बनेगा।पिछले कुछ सालों से जाति जनगणना भारतीय राजनीति के प्रमुख मुद्दों में एक रही है। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लोकसभा के चुनाव में भी प्रमुख मुद्दे की तरह पेश किया था। अब केंद्र सरकार ने भी जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। बुधवार को राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने इस बारे में घोषणा दी है। इसके साथ ही यह पहली बार होगा जब आजाद भारत में जातिगत जनगणना कराई जाएगी। इससे पहले जाति सर्वेक्षण कराए गए हैं। बिहार समेत कुछ राज्यों ने भी जाति सर्वेक्षण कराए हैं। केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना कराने के फैसले के लिए भारतीय राजनीति में यह मामला एक बार फिर सतह पर आ गया है और कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों इसका श्रेय लेने में जुट गए हैं।

खाई में गिरी कार, दो युवकों की मौत, दो घायल

चंबा । हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में लाहड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 154ए पर बीती रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। दवालु पुल के पास एक मारुति कार (एचपी 39 ए 7914) गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार बनीखेत से लाहड़ की ओर जा रही थी। कार को अमित कुमार उर्फ लकी चला रहा था। दवालु पुल के पास पहुंचते ही कार अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कार में अमित कुमार के साथ अशोक कुमार (निवासी लाहड़), महेंद्र सिंह (निवासी त्रिठ्ठा) और देवराज (निवासी बैटणा) सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर घायलों को खाई से निकाला गया और सिविल अस्पताल डलहौजी ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दो अन्य युवकों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज चंबा रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

विझिनजाम बंदरगाह का मोदी ने किया उद्घाटन

मंच पर दिखे थरूर, प्रधानमंत्री बोले- इस कार्यक्रम से कई लोगों की उड़ेगी नींद

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में 8,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। विझिनजाम बंदरगाह का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'एक तरफ विशाल समुद्र है, जिसमें अनेक अवसर हैं और दूसरी तरफ प्रकृति की सुंदरता है, इन दोनों के बीच यह 'विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाला बहुउद्देशीय बंदरगाह' है, जो नए युग के विकास का प्रतीक है। इस बंदरगाह का निर्माण 8,800 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और निकट भविष्य में इसके ट्रांसशिपमेंट हब की क्षमता तीन गुनी हो जाएगी। इसे बड़े मालवाहक जहाजों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। अब तक, भारत की 75त्न ट्रांसशिपमेंट गतिविधियां विदेशी बंदरगाहों पर संचालित की जाती थीं, जिसके परिणामस्वरूप देश को राजस्व का बड़ा नुकसान होता था। हालांकि, यह बदलने वाला है। पहले विदेशों में

खर्च किए जाने वाले धन को अब घरेलू विकास में लगाया जाएगा, जिससे विझिनजाम और केरल के लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि देश की संपत्ति सीधे अपने नागरिकों को लाभान्वित करे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि गुलामी से पहले हमारे भारत ने हजारों वर्ष की समृद्धि देखी है। एक समय वैश्विक जीडीपी में मेजर शेयर भारत का हुआ करता था। उसमें केरल का बड़ा योगदान था। उस समय भारत को अन्य देशों से अलग करने वाली बात थी, इसकी प्रभावशाली समुद्री क्षमताएं और इसके बंदरगाह शहरों में संपन्न आर्थिक गतिविधियां। केरल ने इस सफलता में विशेष भूमिका निभाई। भारत सरकार ने, राज्य सरकार के सहयोग से सागरमाला परियोजना के तहत पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया है। पोर्ट कनेक्टिविटी को भी बढ़ाया है। पीएम-गतिशक्ति के तहत जलमार्गों, रेलवे, राजमार्गों और वायुमार्गों की अंतर-कनेक्टिविटी को तेज गति से बेहतर बनाया जा रहा है। बंदरगाह अर्थव्यवस्था की पूरी क्षमता का एहसास तब होता है, जब बुनियादी ढांचे के विकास और व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता दी जाती है और बढ़ावा दिया जाता है। पिछले एक दशक में, यह दृष्टिकोण सरकार की बंदरगाह और जलमार्ग नीतियों की आधारशिला रहा है। औद्योगिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। वहीं आज भगवान आदि शंकराचार्य जी की जयंती है। तीन वर्ष पूर्व सितंबर में मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। केरल से निकलकर देश के अलग-अलग कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया। इस पुनीत अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने राज्य सरकार के साथ मिलकर सागरमाला परियोजना के तहत बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण किया है।

नेशनल हेराल्ड केस: कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया

अगली सुनवाई 8 मई को

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। अदालत में इस मामले की दूसरी सुनवाई के दौरान स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि किसी भी स्तर पर बात सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई का आधार होता है। मामले की अगली सुनवाई अब 8 मई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस केस में 9 अप्रैल को पहली चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस से जुड़े अखबार 'नेशनल हेराल्ड' और उससे जुड़ी कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग की गई। कोर्ट में 25 अप्रैल को हुई पहली सुनवाई में ईडी की चार्जशीट में कुछ

जरूरी दस्तावेजों की कमी पाई गई थी, जिस कारण कोर्ट ने उसी दिन नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि आरोपियों का पक्ष सुने बिना कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। 1 मई को हुई सुनवाई में अदालत ने जरूरी दस्तावेजों की उपलब्धता के बाद नोटिस जारी करने का निर्णय लिया। अदालत ने यह भी कहा कि संज्ञान लेने से पहले यह देखना आवश्यक है कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन हुआ है या नहीं। इससे पहले ईडी ने सोनिया गांधी से 12 घंटे और राहुल गांधी से 50 घंटे से ज्यादा पूछताछ की थी। जांच एजेंसी ने नवंबर 2023 में एजेएल की करीब 90.2 करोड़ रुपये की संपत्ति और 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को कुर्क किया था। इन संपत्तियों में दिल्ली का हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा और लखनऊ की बिल्डिंग शामिल हैं। इसके अलावा मुंबई के हेराल्ड हाउस में स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस जारी किया गया है।

तेज हवा के चलते पेड़ गिरने से मकान ध्वस्त, चार की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के द्वारका के खरहरी नाहर गांव में शुक्रवार को तेज हवा चलने से बड़ा हादसा हो गया। तेज हवा की वजह से खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे पर एक विशालकाय पेड़ गिर गया। इससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान 26 वर्षीय ज्योति और उसके तीन बच्चों के रूप में हुई है, जबकि पति अजय को मामूली चोट आई है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और घायल अजय को अस्पताल में भर्ती कराया। निगम पार्षद शशि यादव ने इस हादसे पर दुख प्रकट किया। उन्होंने बातचीत में कहा कि यह दुखद घटना है। इस हादसे में जहां परिवार का मुखिया घायल हो गया, मुख्यमंत्री ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिजनों को हर प्रकार की सहायता प्रदान की जाए। साथ ही, हमने

अस्पताल से भी संपर्क स्थापित कर स्पष्ट निर्देश दिया है कि घायल अजय के उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि इस घटना के संबंध में डीएम लक्ष्य सिंह का भी फोन आया। उन्होंने इस घटना पर दुख जाहिर किया है। साथ ही, अब इस दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं कि आगे कभी इस तरह की घटना नहीं हो। इसके लिए अभी से पूरी रूपरेखा निर्धारित की जा रही है। नजफगढ़ जोन के चेयरमैन अमित खड़खड़ी ने कहा कि तेज आंधी की वजह से यह हादसा हुआ। विशालकाय पेड़ इस मकान पर गिर पड़ा। इस मकान में रहने वाले तीन बच्चे और मां की मृत्यु हो गई। वहीं परिवार का मुखिया गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मकान में पांच लोग रहते थे, जिसमें तीन बच्चे और उनके माता-पिता शामिल हैं। इस हादसे में पिता गंभीर रूप से घायल हो चुका है, जबकि चार की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से निर्देश मिलने के बाद हम फौरन मौके पर पहुंचे। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस परिवार को हर संभव सहायता दी जाए। दुख की इस घड़ी में हम इस परिवार के साथ खड़े हैं।

भाखड़ा जल विवाद पर पंजाब में सभी राजनीतिक दलों ने दिखाई एकजुटता, विधानसभा का विशेष सत्र आज

भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सुझाव दिया कि इस विवाद को यहीं खत्म कर देना चाहिए।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के साथ जल विवाद को लेकर पंजाब के सभी राजनीतिक दलों ने एकजुटता दिखाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान का समर्थन करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही पंजाब सरकार ने सोमवार को विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र भी बुलाया है। हरियाणा के साथ शुरू हुए भाखड़ा जल विवाद पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में शुक्रवार को चंडीगढ़ में सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में अकाली दल की तरफ से बलविंद्र सिंह भूंदड़, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, कांग्रेस की तरफ तृप्त राजिंद्र सिंह बाजवा तथा सीपीआईएम व बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि पहुंचे।

करीब तीन घंटे चली बैठक के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने पानी के मुद्दे पर एकजुटता के साथ लड़ाई लड़ने का फैसला किया है। हरियाणा की जनसंख्या के आधार पर उन्हें तय समय के बाद 1700 क्यूसेक पानी दिया जाना बनता है, इसके बावजूद पंजाब उन्हें चार हजार क्यूसेक पानी दिया है। हरियाणा इस समय केन्द्र के माध्यम से दबाव बनाकर 8500 क्यूसेक पानी चाहता है। यह पूरी तरह से गलत है। इसके विरूद्ध सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इसे लेकर सोमवार को विधानसभा का एकदिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। जिसमें सभी दल अपनी राय रखेंगे। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सत्र बुलाने की अनुमति दे दी है। भगवंत मान ने कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) एक्ट का कई मोर्चों पर उल्लंघन हो रहा है। इस बारे में सोमवार के सत्र में विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाएगी। भाखड़ा के कंट्रोल रूम पर ताला लगाने के मुद्दे पर भगवंत मान ने कहा कि अगर हमारा ताला जड़ना गलत है तो हरियाणा का पानी लेने का तरीका भी गलत है। बैठक के बाद अकाली दल के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष बलविंद्र सिंह भूंदड़ ने कहा कि यह पार्टियों का मसला नहीं है। इस मुद्दे पर सभी एकजुट हैं।

मायावती का चुप रहना बेहतर, अपने बयान से भाजपा को पहुंचा रहीं फायदा : उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस और भाजपा पर जाति जनगणना का श्रेय लेने का आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने मायावती के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मायावती भाजपा की प्रवक्ता बन गई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने बात करते हुए कहा, मायावती के लिए चुप रहना ही बेहतर है, वो चार बार मुख्यमंत्री रही हैं और अगर उन्हें ओबीसी से प्यार होता तो वह जाति जनगणना कराती, जिस तरह से बिहार में तेजस्वी यादव ने जाति जनगणना कराई। इसके अलावा, कर्नाटक और तेलंगाना में भी ओबीसी के लिए जाति जनगणना हुई। मायावती ने ओबीसी समाज के लिए क्या किया? मैं इतना ही कहूंगा कि मायावती भाजपा की प्रवक्ता बन गई हैं और अब भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए तरह-तरह के बयान दे रही हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने पर उदित राज ने कहा, प्रधानमंत्री कहते हैं कि उन्हें विपक्ष गाली देता है और कांग्रेस के लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं। मगर, कांग्रेस में शशि थरूर जैसे सांसद हैं। इसके अलावा, केरल से भाजपा के सांसद सुरेश गोपी भी हैं और दोनों ही नेता केरल से आते हैं। उन्हें कांग्रेस सांसद के समर्पण को देखना चाहिए, क्योंकि समय पर एयरपोर्ट पर पहुंचना मुश्किल था, लेकिन थरूर ने प्रयास किया और प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे, जबकि भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने उनकी अगवानी नहीं की। यह एक अच्छा संदेश है और एक सांसद होने के नाते उन्हें यह करना भी चाहिए था।

तकनीक और परंपरा को साथ लेकर चलना जरूरी: डा. जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर कहा कि दुनिया भविष्य की ओर बढ़ रही है और इसके साथ आने वाले परिणामों को समझना आवश्यक है। हर तकनीकी प्रगति अपनी चुनौतियाँ लेकर आती है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इससे अलग नहीं है। उन्होंने मुंबई में आयोजित वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट शिखर सम्मेलन(वेव्स) के वैश्विक मीडिया संवाद सत्र में तकनीकी नवाचारों और उनके सामाजिक प्रभावों को लेकर अपना दृष्टिकोण रखा। विदेश मंत्री ने उभरती तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वाग्रह को कम करना, कंटेंट को लोकतांत्रिक बनाना और तकनीकी नैतिकता को प्राथमिकता देना आज के समय की अहम जरूरतें हैं। तकनीक और परंपरा को साथ लेकर

चलना जरूरी है। तकनीक खासकर युवा पीढ़ी में हमारी विशाल विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ा सकती है। नवाचार, विकसित भारत के निर्माण में बड़ी छलांग का आधार है। वैश्विक कार्यस्थल और कार्यबल के लिए सोच, नीति और व्यवहार में बदलाव आवश्यक है। युवा प्रतिभाओं को रचनात्मक संचार, खेल और सहयोग के युग के लिए तैयार करना जरूरी है, जिसमें कौशल का प्रसार अहम होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि वेव्स मंच वैश्विक मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक क्षेत्रों के प्रमुख मुद्दों पर सार्थक संवाद के लिए एक प्रभावशाली मंच साबित होगा। डा. जयशंकर ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए संवाद के इस दौर को उपयोगी और रचनात्मक बनाने की उम्मीद जताई। उन्होंने प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मंच आने वाले वर्षों में तकनीकी दिशा और दृष्टिकोण को नया मार्ग देगा।

राकेश वर्मा ने आईआईआईडीईएम के महानिदेशक का संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राकेश वर्मा ने आज भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली के महानिदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे 1993 बैच के पंजाब कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। वर्मा ने आईआईटी दिल्ली से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री प्राप्त की है। कार्यभार ग्रहण करने से पहले वे जल शक्ति मंत्रालय के अधीन जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा उन्होंने पर्यटन मंत्रालय में भी संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। वहीं आशीष गोयल ने आज भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) में मीडिया के महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। गोयल 1996 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) अधिकारी हैं। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से एमबीए और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ से इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री प्राप्त की है। इससे पहले, वे संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय संग्रहालय के महानिदेशक और सालार जंग संग्रहालय के निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में कार्य कर चुके हैं।

जातीय जनगणना केंद्र सरकार का स्वागतयोग्य फैसला, पीएम मोदी ने लोगों की भावनाओं का किया सम्मान : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। भोजपुरी अभिनेता और दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने बिहार की सियासत और एनडीए के सहयोगियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने चिराग पासवान, नीतीश कुमार, जातिगत गणना और महागठबंधन की रणनीति पर खुलकर अपनी राय रखी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने और भविष्य में मुख्यमंत्री बनने की संभावना पर तिवारी ने कहा, ÷चिराग पासवान हमारे गठबंधन के प्रमुख नेता हैं। उनके निर्णय का हम सम्मान करते हैं और उसी के आधार पर भविष्य में विचार करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा जातिगत गणना के फैसले पर तेजस्वी यादव और राहुल गांधी द्वारा क्रेडिट लेने की कोशिश पर तिवारी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, जब इन लोगों के पास मौका था, तब इन्होंने जातिगत गणना क्यों नहीं कराई? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हैं और यह जनता की मांग थी, इसलिए केंद्र ने यह फैसला लिया।भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के भाजपा में शामिल होने और चुनाव लड़ने की अटकलों पर तिवारी ने कहा, ÷कुछ दिन इंतजार कीजिए, सब स्पष्ट हो जाएगा। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के उस दावे पर कि विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार को भाजपा साइडलाइन कर देगी, मनोज तिवारी ने कड़ा जवाब दिया।

पहलगाम की गुस्ताखी का स्थान और समय चुन भारतीय सेना देगी जवाब: रविंदर रैना

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन करता आ रहा है। पाकिस्तान एलओसी से सटे गांवों में गोलीबारी कर रहा है। लगातार हो रही इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व अध्यक्ष रविंदर रैना ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान की इस गुस्ताखी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि हमारी सेना ने पाकिस्तान की कई चौकियों को ध्वस्त कर दिया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 सैलानियों की आतंकवादियों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव पैदा हो गया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान लगातार कई दिनों से सीमा से सटे गांवों में गोलीबारी कर रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से सटे बॉर्डर क्षेत्रों पर पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। भारतीय सेना पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि राजौरी, पुंछ, कुपवाड़ा और उरी में पाकिस्तान गोलीबारी कर रहा है। जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 25 लाख की लूट में शामिल तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के आनंद पर्वत में चोरी के एक मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी आदित्य गौतम के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीमों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को ट्रैक किया और इसके बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से कुछ नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल को लुटेरों के एक समूह ने आनंद पर्वत स्थित एक घर में घुसकर करीब 25 लाख रुपए का सामान लूट लिया था। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के अन्य साथियों की पहचान कर रही है। इससे पहले, बीते 14 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया था।

महाराष्ट्र और गुजरात ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से देश के विकास को गति दी : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस के अवसर पर मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से देश के विकास का जो सूत्र दिया है उसे दोनों राज्यों ने स्वीकारा है। केंद्रीय मंत्री शाह ने अपने संबोधन में बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम के तहत 1 मई 1960 को बॉम्बे राज्य को दो अलग-अलग राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र में विभाजित करने के निर्णय का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय ने यह उदाहरण प्रस्तुत किया है कि कैसे एक राज्य के दो हिस्से बिना किसी कटुता के स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए एक-दूसरे का सम्मान करते हुए अपने-अपने विकास के माध्यम से देश के समग्र विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन को देश के सभी राजभवनों में मनाया जाता है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना को चरितार्थ करने का

मजबूत उदाहरण है। शाह ने कहा कि गुजराती और मराठी भाषाओं के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। दोनों भाषाएं अपनी-अपनी जगह महान हैं और इनका साहित्य विश्व की किसी भी भाषा के साहित्य से कम समृद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि ये दोनों भाषाएं देश की सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साथ ही, दोनों राज्यों ने अपनी परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिकता को अपनाया है और राष्ट्र की एकता व अखंडता को मजबूत करने में भी अहम योगदान दिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने गुजरात और महाराष्ट्र दोनों राज्यों से अपना जुड़ाव बताया और कहा कि उनका जन्म और विवाह महाराष्ट्र में हुआ तथा उनकी कर्मभूमि गुजरात बनी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण हम गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस समारोह को साधारण ढंग से मना रहे हैं। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों श्रद्धांजलि भी दी। उपराज्यपाल के राजधानी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयासों की सराहना करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वह बहुत पहले श्री श्री रविशंकर के कार्यक्रम में यमुना तट कालिंदी घाट पर आये थे। उस समय यहां बहुत कूड़ा-करकट होता था। आज स्थिति में बदलाव देखकर प्रतीत होता होता है कि दिल्ली बदल रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यमुनोत्री से लेकर प्रयागराज तक यमुना नदी के प्रवाह वाले क्षेत्रों में जल को पवित्र और शुद्ध करने तथा दिल्ली में साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर एक रिवर फ्रंट विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्रवाई शुरू की है।

दिल्ली हाई कोर्ट से साकेत गोखले को झटका, मानहानि मामले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। लक्ष्मी पुरी मानहानि मामले में टीएमसी नेता साकेत गोखले को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने लेखिका लक्ष्मी पुरी की ओर से दायर मानहानि मामले को चुनौती देने वाले टीएमसी नेता साकेत गोखले की याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माफी मांगने और 50 लाख रुपये का हर्जाना देने के कोर्ट के आदेश को पलटने की मांग की थी। पिछले हफ्ते ही दिल्ली हाई कोर्ट ने मुआवजा देने के लिए सांसद के तौर पर उनका वेतन जब्त करने का निर्देश दिया था, क्योंकि उन्होंने मुआवजा नहीं दिया था। वहीं, अपनी याचिका में टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने मानहानि मामले में सजा को वापस लेने और मुआवजा राशि में संशोधन करने की मांग दिल्ली हाई कोर्ट से की थी। पिछले साल जुलाई में हाई कोर्ट ने साकेत गोखले को मानहानि का दोषी पाया और लक्ष्मी पुरी को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। अदालत ने अतिरिक्त निर्देश भी जारी किए थे, जिसमें सोशल मीडिया पर सार्वजनिक माफी मांगने के लिए भी कहा गया था, जो कम से कम छह महीने तक साकेत के सोशल मीडिया हैंडल पर रहना चाहिए। अदालत ने साकेत गोखले को एक प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्र में अपना माफीनामा प्रकाशित करने का भी आदेश दिया था। साथ ही यह भी कहा था कि आदेश का पालन आठ सप्ताह के भीतर किया जाना चाहिए। साकेत गोखले द्वारा 13 और 26 जून 2021 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ पोस्ट डाले गए थे, जिसके बाद यह मामला अदालत तक पहुंचा। दरअसल, इन पोस्ट्स में गोखले ने आरोप लगाया था कि लक्ष्मी पुरी ने स्विट्जरलैंड में अपनी आय से अधिक संपत्ति खरीदी है।

कांग्रेस ने ओबीसी और एससी को केवल वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमालः तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मोदी सरकार के जातिवार गणना के फ़ैसले को जनहित में ऐतिहासिक फ़ैसला बताया । उन्होंने मीडिया से कहा कि सरकार ने जो अगली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने का फ़ैसला लिया है, यह ऐतिहासिक और युगांतकारी फ़ैसला है । भारतीय जनता पार्टी जाति की राजनीति नहीं, बल्कि हर जाति का कल्याण, समाज के हर वर्ग का कल्याण हो, इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने निरंतर कल्याण के कार्य किए। चुघ ने कांग्रेस पार्टी को याद दिलाते हुए कहा कि आज जातीय गणना का श्रेय लेने की होड़ में लगे राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि कांग्रेस के शासन में यह क्यों नहीं हुई। कांग्रेस ने सदैव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अनुसूचित जाति (एससी) को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि नेहरू खुद जातिवार गणना के विरोधी थे और कांग्रेस ने ही काका कालेलकर रिपोर्ट भी दबा दी थी। मंडल आयोग के समय इंदिरा गांधी ने रिपोर्ट का विरोध किया, जबकि तत्कालीन गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने जातिवार गणना की मांग खारिज कर दी थी। राजीव गांधी भी इसके पक्ष में नहीं थे। तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने सिर्फ कैबिनेट में विचार का आश्वासन देकर बात टाल दी थी। कांग्रेस का असली चेहरा कुछ और है, जो हर बार नकली मुखौटे के पीछे छिपा रहता है। राहुल गांधी की कांग्रेस का विजन सिर्फ समाज के विभाजन का रहा है। कांग्रेस का चरित्र अवसरवादी और वोटबैंक की राजनीति करने वाला है। आज कांग्रेस की फैमिली फर्स्ट, घमंड और पाखंड में डूबी है। कांग्रेस पार्टी के बयानों से पता चलता है कि उनके लिए सामाजिक न्याय महज राजनीतिक स्वार्थपूर्ति के लिए है। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की नीति का यह तार्किक और सैद्धांतिक विस्तार है। यह फ़ैसला सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के भावों के अनुरूप है।

समाज की अंतिम सीढ़ी पर खड़ी और अब तक विकास में वास्तविक भागीदारी से वंचित जातियों की पहचान और उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लिया गया जातिगत गणना का निर्णय सामाजिक न्याय के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

जाति जनगणना पारदर्शी, समावेशी और राजनीतिक दखल से मुक्त होनी चाहिए : सलीम इंजीनियर

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिवार गणना को शामिल करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का स्वागत किया है। इसके साथ ही उन्होंने इसे पारदर्शी, समावेशी और राजनीतिक दखल से मुक्त होने की मांग की है। एक बयान में जमाअत उपाध्यक्ष ने कहा कि हम आगामी जनगणना में जातिवार गणना को शामिल करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का स्वागत करते हैं। जाति अभी भी भारत में एक मजबूत सामाजिक संरचना है जो शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक पहुंच को आकार देती है। यह पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों द्वारा सामना किए गए ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए एक सामाजिक, कानूनी, प्रशासनिक और नैतिक आवश्यकता है। यह सकारात्मक कार्रवाई नीतियों की निगरानी के लिए सटीक डेटा प्रदान करेगी और इन समुदायों को सामाजिक और आर्थिक रूप से विकसित करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि केवल मापी गई चीज का ही अच्छे से प्रबंधन किया जा सकता है और इसलिए सूचित नीति निर्माण और समावेशी विकास के लिए जातिगत डेटा आवश्यक है। जातिवार गणना इन उपेक्षित समुदायों के लिए सकारात्मक व्यावहारिक नीतियों की निगरानी और उन्हें मजबूत करने के लिए सटीक आंकड़े उपलब्ध कराएगी, विशेष रूप से बढ़ते निजी क्षेत्र और घटती सरकारी नौकरियों के संदर्भ में। सरकार के निर्णय को स्वीकार करते हुए प्रो. इंजीनियर ने जाति जनगणना कराने में सरकार की पूर्व अनिच्छा पर

चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जैसा कि संसद में दिए गए आधिकारिक बयानों से पता चलता है, सरकार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से परे जाति जनगणना के पूरी तरह से खिलाफ थी लेकिन ऐसा लगता है कि उसने अंततः इसकी प्रभावशीलता को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पूरी प्रक्रिया के लिए एक निश्चित समयसीमा जारी की जानी चाहिए। जाति जनगणना के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया जाना चाहिए।

अमित शाह ने पहलगाम हमले के आतंकियों को दी चेतावनी - चुन-चुन के बदला लेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवादियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि उन्होंने लड़ाई जीत ली है। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और हम चुन-चुन के बदला लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली के कैलाश कालोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोड़ो नेता बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा के सम्मान में एक सड़क का नामकरण और प्रतिमा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगी यह प्रतिमा केवल बोडोलैंड और असम के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह देशभर की छोटी-छोटी जनजातियों का सम्मान है जो आजादी के कई सालों तक उत्कर्ष और विकास के लिए संघर्षरत रहीं। शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत पहलगाम में आतंक की भेंट चढ़े लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों को आश्वस्त किया कि पूरा देश उनके साथ है। उन्होंने कहा कि 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीरो टॉलरेंस की नीति है। शाह ने कहा, ÷हम मजबूती के साथ अपनी लड़ाई लड़े हैं। वो (आतंकवादी) ये न समझे हमारे 27 नागरिकों की जान लेकर ये लड़ाई जीते हैं। मैं सभी आतंक फैलाने वालों को कहना चाहता हूं कि लड़ाई का अंत नहीं है। यह एक मुकाम है। हर व्यक्ति को चुन-चुन कर जवाब भी मिलेगा और जवाब भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उत्तर-पूर्व, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र और कश्मीर पर पड़ी आतंकवाद की छाया का मजबूती के साथ जवाब दिया है। शाह ने कहा कि कायराना हमला करके यदि कोई ये समझता है कि उनकी बड़ी जीत है तो ये बात समझ ले ये मोदी सरकार है किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की इंच-इंच भूमि पर से आतंकवाद को मूल समेत उखाड़ फेंकने का हमारा संकल्प है और वह सिद्ध होकर रहेगा। इस लड़ाई में न केवल 140 करोड़ भारतवासी बल्कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। शाह ने कहा कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होता हमारी लड़ाई जारी रहेगी और जिन लोगों ने यह कृत्य किया है उन्हें इसका उचित दंड दिया जाएगा। शाह ने कहा कि बोडोफा नेता उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की नौ फीट की प्रतिमा का अनावरण किया गया। बोडोफा न केवल बोडोलेंड और बोडो जाति के लिए समस्त आदिवासी समुदाय के लिए सम्मान, समान अधिकार और पहचान की लड़ाई के लिए जाने जाते हैं। अपने क्षेत्र के सम्मान और अधिकार की आजीवन लड़ाई लड़ने वाले बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्मा की पुण्यतिथि पर दिल्ली में उनकी प्रतिमा और सड़क का नामकरण करना गर्व की बात है। आजादी के वर्षों बाद भी सम्मान की तलाश में संघर्षरत रही देशभर की छोटी-छोटी जनजातियों के लिए उपेन्द्रनाथ ब्रह्मा की यह प्रतिमा आत्मसम्मान का प्रतीक है।

प्रह्लाद जोशी 20 मई को करेंगे 'डिपो दर्पण' पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की खाद्य सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी 20 मई को 'डिपो दर्पण' पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) द्वारा की गई है, जिसका उद्देश्य देशभर के 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए खाद्यान्नों की गुणवत्ता पूर्ण भंडारण सुनिश्चित करना है। 'डिपो दर्पण' पोर्टल और ऐप के माध्यम से देश के 2278 गोदामों का डिजिटल मूल्यांकन किया जाएगा, जिनमें एफसीआई, सीडब्ल्यूसी और राज्य एजेंसियों के गोदाम शामिल हैं। यह प्रणाली डिपो प्रबंधकों को अपने डिपो की अवस्थिति, संरचना, संचालन और वित्तीय प्रदर्शन का लगभग वास्तविक समय में मूल्यांकन करने की सुविधा देती है। जियो-टैग की गई सूचनाओं के आधार पर स्वचालित रेटिंग और सुधारात्मक सुझाव भी तैयार किए जाते हैं।

स्मार्ट वेयरहाउसिंग तकनीकों के साथ एकीकृत यह प्रणाली सेंसर आधारित निगरानी तंत्र से लैस है, जिसमें सीसीटीवी, आईओटी सेंसर, सीओ2 और फॉस्फीन स्तर, तापमान, नमी, आग और अनधिकृत प्रवेश की निगरानी की जाती है। इसके अलावा एआई आधारित बैग काउंटिंग, वाहन पहचान (एएनपीआर) और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम भी पायलट आधार पर तैनात किए गए हैं।

आरएमएल अस्पताल में स्टेट ऑफ आर्ट स्ट्रोक यूनिट की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मई और जून में भीषण गर्मी की शुरुआत होने के साथ ही हीट स्ट्रोक के मामले भी बढ़ने की संभावना है। इसको देखते हुए डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल ने स्टेट ऑफ आर्ट हीट स्ट्रोक यूनिट की शुरुआत कर दी है। इसी के साथ आरएमएल अस्पताल हीट स्ट्रोक सेंटर शुरू करने वाला पहला अस्पताल बन गया है। इस केन्द्र में 50 किलोग्राम बर्फ से भरने की क्षमता रखने वाले दो बड़े टब, दो आईसीयू बेड शामिल है। इसके साथ उच्च क्षमता का रेफ्रिजरेटर भी लगाया गया है जिसमें एक समय में 200 से 250 किलो बर्फ जमाई जा सकती है। इसके अलावा दूर दराज में हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए अस्पताल ने हीट स्ट्रोक रेस्पांस यूनिट के तौर पर एसीएलएस एंबुलेंस सेवा भी शुरू की है जिसमें जिसमें कूलिंग ट्यूब, तारपोलिन और आईसबॉक्स, ओआरएस पैक, सहित स्ट्रोक के लिए जरूरी मेडिकल सहायता सामग्री रहेगी। लोग आरएमएल के 011 -23404446 फोन नंबर पर संपर्क कर एम्बुलेंस मंगवा सकते हैं। अटल बिहारी बाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के निदेशक और आरएमएल अस्पताल के निदेशक डॉ अजय शुक्ला ने मीडिया को बताया कि हीट स्ट्रोक यूनिट सुविधा को गुरूवार से

शुरू कर दिया गया है। इस केन्द्र में आधुनिक सुविधा के साथ मरीजों के लिए दो इमरर्जन कूलिंग ट्यूब को रखा गया है, इसकी क्षमता 200 से 250 लीटर है। इसमें बर्फ के लिए उच्च क्षमता को रेफ्रिजरेटर भी लगाया गया है। जिसमें जरूरत के हिसाब से आईस को बनाया जा सकेगा। इसके साथ ही मल्टीपैरामीटर लाइफ सेविंग उपकरणों के साथ दो बेड लगाए गए है, जिसमें वेंटिलेटर की भी सुविधा है। इसके साथ ही अस्पताल ने प्री हॉस्पिटल सेवा के क्रम में हीट स्ट्रोक रेस्पांस यूनिट के तौर पर एसीएलएस एंबुलेंस सेवा भी शुरू की है। जिसमें कूलिंग ट्यूब, तारपोलिन और आईसबॉक्स, ओआरएस पैक, सहित स्ट्रोक के लिए जरूरत मेडिकल सहायता सामग्री रहेगी। डॉ. अजय शुक्ला ने बाताया कि केन्द्र के साथ दो मोबाइल एंबुलेंस की भी शुरुआत की गई है जो दूरदराज के इलाकों की सकरी गलियों में हीट स्ट्रोक के मरीजों का उपचार करेगी। आरएमएल के इमरजेंसी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ. अमलेंदु यादव ने बताया कि गंभीर तापघात की सूरत में एक- एक मिनट भी काफी अहम होता है। लोगों को इसका खास ख्याल रखना चाहिए कि वे बिना देरी के अस्पताल पहुंचे। गंभीर तापघात से पीड़ित मरीजों को ठंडे पानी के इन टबों में डुबोया जाता है, जिससे उनके शरीर का तापमान तेजी से कम हो जाए।

अंग्रेजों से पहले स्वशासी और समृद्ध थे भारत के गांव : डॉ. बजाज

एजेंसी

भोपाल। अंग्रेजों के शासन से पहले के भारत में प्रत्येक गांव स्वशासी था। गांव में सब प्रकार की व्यवस्थाएं और सेवाएं थीं। प्रत्येक गांव समृद्ध था। यह विचार सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडी चेन्नई के निदेशक पद्म श्री डॉ. जतिंदर कुमार बजाज ने मद्रास के दो गांवों उल्लावूर एवं कुण्ड्रत्तूर की केस स्टडी को सामने रखकर व्यक्त किए। डॉ. बजाज भोपाल के दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दो सप्ताह के दक्षता निर्माण कार्यक्रम में 'अंग्रेजों से पहले की भारतीय नीति' और 'भारतीय परिवेश में समाज वैज्ञानिक शोध' विषयों पर युवा प्राध्यापकों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. बजाज ने कहा कि एक लंबी औपनिवेशिक दासता के कारण हमें अपनी वर्तमान चुनौतियों के समाधान में भारतीय साहित्य पर विश्वास नहीं हो पाता है। हमारे साहित्य में वर्तमान की चुनौतियों के समाधान के सूत्र भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों से पहले का भारत कैसा था, यह जानना है तो उसका एक प्रमुख स्रोत हमारा सभ्यागत साहित्य है। दूसरा स्रोत धर्मपालजी का साहित्य। उन्होंने 1767-1774 के मध्य अंग्रेजों द्वारा किए गए मद्रास के आसपास के लगभग 2000 ग्रामों के एक बहुत विस्तृत सर्वेक्षण का गहन अध्ययन किया है। इस सर्वेक्षण में अंग्रेजों ने यह जानने का प्रयत्न किया कि जिन भारतीयों पर हम शासन करने जा रहे हैं, उनकी व्यवस्थाएं कैसे संचालित होती हैं। सर्वेक्षण में प्राप्त डेटा के आधार पर अंग्रेजों ने जो रिपोर्ट लिखी, वह हमें आश्चर्यचकित करती है। अंग्रेज लिख रहे थे कि भारत की व्यवस्था धर्म (कर्तव्य) आधारित है, जो न्याय और समता के आधार पर संचालित होती है। अंग्रेजों ने माना कि प्रत्येक गांव अपने आप में स्वतंत्र इकाई है। प्रत्येक गांव का इतिहास है। इस संदर्भ में बड़ी संख्या में यहां से शिलालेख मिलते हैं। ये गांव समृद्ध भी हैं। ये सभी गांव स्वशासी हैं। विभिन्न व्यवस्थाओं को चलाने के लिए उत्पादन में से एक निश्चित अंश दिया जाता था। अंग्रेज कलेक्टर यह देखकर हैरान रह गया कि यह काम तो राज्य के हिस्से में हैं, इन्हें लोग क्यों कर रहे हैं।

जाति जनगणना का निर्णय हाशिए पर खड़े लोगों को करेगा सशक्त : डॉ. के लक्ष्मण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ के. लक्ष्मण ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिवार गणना को शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह एक साहसिक और पारदर्शी कदम सामाजिक न्याय, सूचित नीति निर्माण तथा भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जाति जनगणना का निर्णय हाशिए पर खड़े लोगों के लिए वरदान साबित होगा। डॉ. लक्ष्मण ने एक बयान में कहा कि भारत में अंतिम व्यापक जाति जनगणना 1931 में ब्रिटिश सरकार ने आयोजित की थी। तब से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आंकड़ों को छोड़कर, राष्ट्रीय स्तर पर कोई आधिकारिक जाति गणना नहीं हुई है। दशकों से सटीक आंकड़ों की अनुपस्थिति ने अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य हाशिए के समुदायों के लिए कल्याणकारी नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। 94 वर्षों के बाद इस प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने का मोदी सरकार का निर्णय साक्ष्य-आधारित शासन और पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जाति

जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के दोहरेपन को उजागर करना महत्वपूर्ण है। विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने बार-बार जाति जनगणना की मांग को एक राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल किया है, घोषणापत्रों और सार्वजनिक रैलियों में इसका वादा किया है। हालांकि, सत्ता में आने पर कांग्रेस सरकारें लगातार इसे पूरा करने में विफल रही हैं। वर्ष 2010 में कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार ने जाति जनगणना पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया था, लेकिन सरकार ने केवल एक सर्वेक्षण आयोजित करने का विकल्प चुना, न कि पूर्ण, पारदर्शी गणना सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना के डेटा को कभी भी पूरी तरह से जारी नहीं किया गया था और यह अभ्यास स्पष्टता और पारदर्शिता की कमी से प्रभावित था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है, कभी भी हाशिए पर पड़े लोगों के कल्याण के लिए वास्तविक इरादे से नहीं। इसके विपरीत मोदी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि जाति गणना आधिकारिक जनगणना के हिस्से के रूप में एक संरचित, पारदर्शी और कानूनी रूप से सही तरीके से की जाए, न कि खंडित और संदिग्ध राज्य-स्तरीय सर्वेक्षणों के माध्यम से। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि भाजपा का दृष्टिकोणः एकता, कल्याण और सामाजिक सद्भाव का है।

एमसीडी ने मलबा निस्तारण के लिए 106 स्थल किए निर्धारित

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शहर में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके लिए एमसीडी ने 106 स्थानों को निर्धारित किया है। जहाँ निवासी निर्माण और मरम्मत कार्य से उत्पन्न निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी) कचरे का निपटान कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य निवासियों को अपने सीएंडडी कचरे का प्रबंधन करने के लिए एक नियत और कुशल तरीका प्रदान करना है। जिससे एक स्वच्छ और अधिक व्यवस्थित दिल्ली बनाने में योगदान मिल सके।एमसीडी ने कहा कि सीएंडडी कचरे की मात्रा तीन सौ मीट्रिक टन से अधिक है। तो वे मलबा को बुराड़ी, रानीखेड़ा, बक्करवाला और शास्त्री पार्क में स्थित सीएंडडी प्लांट में पहुंचा दें। ये संयंत्र बड़ी मात्रा में मलबे को संभालने के लिए सुसज्जित हैं। जिससे यह सुनिश्चित होता है कि इसका निपटान पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार तरीके से किया जाए। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के अनुसार अनधिकृत स्थानों पर मलबा डालने वालों पर पांच हजार रुपये से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। एमसीडी ने सभी निवासियों से अनुरोध किया है कि वे निर्दिष्ट डंपिंग साइटों का उपयोग करें और दिशानिर्देशों का पालन करके इस पहल में सहयोग करें। सभी एक साथ काम कर के निवासीओं और एमसीडी सभी के लिए एक स्वच्छ, हरियाली और अधिक सतत दिल्ली सुनिश्चित कर सकते हैं। निवासी इन निर्दिष्ट डंपिंग साइटों की सूची दिल्ली नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर आसानी से पा सकते हैं। इसके अतिरिक्त मलबे के निपटान के बारे में किसी भी प्रश्न या जानकारी के लिए निवासियों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन नंबर, 155305 भी उपलब्ध किया गया है।

संपादक की कलम से

मोदी की चुप्पी, मोदी के बोल!

- राजेन्द्र शर्मा

आखिरकार, पहलगाम की आतंकवादी जघन्यता के करीब हफ्ते भर बाद, रविवार 27 अप्रैल की अपनी मासिक 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका ख्याल आया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए, देशवासियों की एकता कितनी जरूरी है। बेशक, प्रधानमंत्री की इस आयोजन की खबरों की सुर्खियां बनने वाली पंक्ति तो यही थी कि 'आतंकवादी हमले की तस्वीरों को देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है'। और यह भी कि 'मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।' फिर भी, प्रधानमंत्री के बयानों से ऐसी सुर्खियां तो इस आतंकी वारदात के तीसरे दिन से ही बनती आ रही थीं, जब इस हमले की पृष्ठभूमि में, सऊदी अरब की अपनी यात्रा तय कार्यक्रम से पहले खत्म कर स्वदेश लौटे प्रधानमंत्री ने, इसी घटना पर अपनी ही सरकार की बुलायी सर्वदलीय बैठक में रहना तो जरूरी नहीं समझा था, पर बिहार में मधुबनी में अपनी सभा में, इस वारदात के दोषियों और उनके आकाओं को 'मिट्टी में मिला देने' और 'उनका धरती के छोर तक पीछा करने' जैसे ऐलान किए थे। 'मन की बात' की युद्ध-भाषा बेशक, मधुबनी के भाषण के जरिए सामने आयी, इस दरिंदगी पर प्रधानमंत्री की पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया की निरंतरता में ही थी। इससे भिन्न, प्रधानमंत्री को एकता की जरूरत का ख्याल आना बेशक, बिहार के प्रधानमंत्री के संबोधन के सामने नया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता और 140 करोड़ नागरिकों की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है। और यह भी कि, 'यह एकता आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है।'

बहरहाल, महत्वपूर्ण सिर्फ यही नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए, देश के तमाम नागरिकों की एकता की जरूरत का ख्याल आया है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि आतंकवादी हमले की घटना और उस पर देशभर में शुरू हुई प्रतिक्रिया के हफ्ते भर बाद, प्रधानमंत्री को इस बुनियादी सच्चाई की याद आयी है, जो किसी भी विवेकशील व्यक्ति के लिए शुरू से ही स्वतः स्पष्ट थी। यह हफ्ते भर की देरी इसलिए खासतौर पर अर्थपूर्ण हो जाती है कि इस दौरान पूरे देश से निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार की इस दरिंदगी पर, मोटे तौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही थीं। पहली प्रतिक्रिया, इस जघन्यता पर आम देशवासियों के गम और आतंकवादियों तथा उनके सरपरस्तों पर गुस्से की थी। इसी प्रतिक्रिया की अभिव्यक्ति देश की आम राजनीतिक राय में भी हो रही थी, जो घटना के दो दिन बाद ही हुई सर्वदलीय बैठक में भी सामने आयी। सभी राजनीतिक पार्टियों ने न सिर्फ एक स्वर से पहलगाम की जघन्यता की भर्त्सना की बल्कि इस सिलसिले में सरकार द्वारा उठाये जाने वाले कदमों के लिए आम तौर पर अपने समर्थन का भी ऐलान किया था।

बहरहाल, दूसरी ओर तीसरी तरह की प्रतिक्रियाएं, एक दूसरे की ठीक विरोधी थीं। दूसरी तरह की प्रतिक्रिया खासतौर पर कश्मीरियों और सबसे बढ़कर कश्मीरी मुसलमानों की और आम तौर पर मुसलमानों की थी। यह प्रतिक्रिया थी कश्मीर और मुसलमानों के नाम पर आतंकवादियों द्वारा की गयी दरिंदगी पर गम और शर्मिंदगी की और जिस तरह भी संभव हो, अपने दामन से इस गुनाह के दाग धोने की कोशिशों की। यह संयोग ही नहीं है कि इस आतंकी हमले में बच रहे लोगों द्वारा सुनाई गयी आपबीतियों के बीच से, सैयद आदिल हुसैन शाह के अलावा भी, कम से कम आधा दर्जन कश्मीरी मुसलमान 'हीरो इन एक्शन' उभर कर सामने आये हैं। किसी ने बहादुरी से दर्जनों पर्यटकों को, जिनमें खासतौर पर महिलाएं और बच्चे थे, मौत के मुंह से निकालकर घोड़ों से सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया था, तो किसी ने अपनी जान दांव पर लगाकर, घायलों को पीठ पर लादकर खतरे के दायरे से बाहर पहुंचाया था। और किसी और ने पीड़ितों का इस संकट के बीच इस तरह साथ दिया था कि उन्हें जहां अपनों को खोने का गम था, वहीं नये अपने मिल जाने का संतोष भी था। और सैयद आदिल हुसैन तो, जैसा कि अब सभी जान ही चुके हैं, वह नौजवान टट्टू वाला था, जो निर्दोष टूरिस्टों को बचाने के लिए, अपनी जान दांव पर लगाकर आतंकवादियों से भिड़ गया था। कहते हैं कि उसने एक आतंकवादी की बंदूक पकड़ भी ली थी, तभी आतंकवादी के दूसरे साथी ने उसे तीन गोलियां मार कर वहीं ढेर कर दिया।

इसी की निरंतरता में पूरे पहलगाम तथा अनंतनाग जिले की और कश्मीर की ही प्रतिक्रिया थी। स्वतःस्फूर्त तरीके से न सिर्फ हादसे के दूसरे-तीसरे दिन तक, सारे बाजार, सारे कारोबार, पर्यटकों की मदद करने के अलावा बंद रहे बल्कि हरेक जगह, लोगों ने बड़ी संख्या में शोक तथा विरोध जुलूस निकाले, जो बहुत ही मुखर तरीके से आतंकवादियों के और उनकी पीठ पर हाथ रखने वाले पाकिस्तान के खिलाफ थे। जानकारों के अनुसार, अगर कश्मीर में मिलिटेंसी के 35 साल में पहली बार, पर्यटकों पर हमले की ऐसी बड़ी घटना हुई थी, तो यह भी पहली ही बार था जब इतने मुखर तरीके से और इतने बड़े पैमाने पर कश्मीरी जनता की आतंकवाद-विरोधी तथा पाकिस्तान-विरोधी भावनाएं सामने आयी हैं।

इसी की निरंतरता में है जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित कर, पहलगाम की दरिंदगी की एक स्वर से निंदा करना। केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा ने सर्वसम्मति से आतंकवादियों की करतूत की निंदा ही नहीं की। इसके बावजूद कि धारा-370 के खत्म किए जाने तथा जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म कर उसे केंद्र शासित क्षेत्र बनाए जाने के बाद से, राज्य पुलिस समेत समूची सुरक्षा व्यवस्था लैफ्टीनेंट गवर्नर के माध्यम से, सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में है, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर्यटकों की सुरक्षा न कर पाने के लिए माफी भी मांगी। उनका कहना था कि पर्यटक, राज्य सरकार के नाते उनके आमंत्रण पर आए थे और इसलिए, उनकी सुरक्षा उनकी जिम्मेदारी थी! यहां तक कि उमर अब्दुल्ला ने इस घटना को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग के लिए दलील बनाने से भी इंकार कर दिया।

दुःख और पछतावे की इस सारी प्रतिक्रिया से ठीक उल्टी थी, तीसरी प्रतिक्रिया जो सत्ताधारी संघ परिवार की ओर से सामने आयी, जिसमें उसके हाशियाई तत्वों से लेकर, उसकी मुख्यधारा के नेताओं तक सबके सब शामिल थे। इस प्रतिक्रिया में सारा जोर, पहलगाम में आतंकवादियों की दरिंदगी को कश्मीरी मुसलमानों और आम तौर पर मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने के जरिए, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को आगे बढ़ाने का हथियार बनाने पर था। यह संयोग ही नहीं है कि पहलगाम की दरिंदगी के सरकारी ब्यौरे ठीक से आने से पहले ही, देश के अनेक हिस्सों से कश्मीरी छात्रों और आम तौर पर मुसलमानों पर हिंदुत्ववादी गिरोहों के हमलों की खबरें आनी शुरू हो चुकी थीं। ऐसे मामलों पर निगाह रखने वाले एक संगठन ने ऐसी कम से कम 20 घटनाएं दर्ज की हैं। इनमें से कश्मीरी छात्रों के साथ हिंसा की सबसे बुरी घटनाएं उत्तराखंड में देहरादून में तथा पंजाब में हुईं, जबकि मुसलमान के रूप में पहचान कर, हमला किए जाने की घटनाओं में इसी बीच उत्तर प्रदेश में ही दो हत्याएं की जा चुकी हैं। आगरा में तो मुसलमान ढाबाकर्मी को गोली मारने वाले ने 26 के बदले 2600 को मारने के अपने इरादे का ऐलान भी किया था। यह दूसरी बात है कि जैसा कि भाजपा राज में आम चलन ही है, उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस हत्या का पहलगाम की घटना से कुछ लेना-देना होने से इंकार कर दिया है।

कश्मीरियों और आम तौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर ये हमले अगर संघ के हाशिए की करतूतें मान भी लिए जाएं, तब भी उसकी मुख्यधारा भी इन हमलों से कोई बहुत अलग नहीं थी। हरियाणा, महाराष्ट्र समेत अनेक स्थानों पर, बाकायदा भाजपा के झंडे तले जुटी भीड़ों ने, अल्पसंख्यकों की दूकानों आदि को हमलों का निशाना बनाया था। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह कि आईटी सैल समेत भाजपा ने मुस्लिमविरोधी नफरत फैलाने के लिए, इस आतंकवादी हमले को भुनाने की बढ़-चढ़कर कोशिशें की थीं। जाहिर है कि यह इसके बावजूद था कि अनेक भुक्तभोगियों ने जोर देकर सार्वजनिक रूप से यह दर्ज कराया था कि अगर आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मारा था, तो दूसरी ओर पीड़ितों का धर्म जानकर घोड़े वालों, ड्राइवरों, टूर ऑपरेटरों, होटल वालों, आदि आदि ने उनकी हरेक संभव मदद भी की थी। इस बाद वाले तथ्य को दफन ही करने की कोशिश करते हुए, भाजपा की छत्तीसगढ़ इकाई ने तो अपने आधिकारिक हैंडल से बाकायदा एक शर्मनाक विज्ञापन जारी कर, जो बाद में उन्हें हटाना भी पड़ गया, 'धर्म पूछा, जाति नहीं पूछी' को, सांप्रदायिक गोलबंदी की दलील ही बनाने की कोशिश की थी। और यह खेल सिर्फ छत्तीसगढ़ तक ही सीमित नहीं था।

इस सब के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी अपनी कुख्यात चुप्पी ओढ़े रहे थे। विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के ही नहीं, जागरूक नागरिकों की बढ़ती संख्या के खुद इसकी अपील करने और प्रधानमंत्री से इसकी अपील करने का आग्रह करने के बावजूद, कि सांप्रदायिक विभाजन बढ़ाकर, आतंकवादियों के अधूरे काम में मदद नहीं की जानी चाहिए, मोदी ने बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक हरकतों के खिलाफ कोई अपील तक नहीं की। और हफ्ते भर बाद, पर्याप्त नुकसान हो जाने देने के बाद, देशवासियों की एकता की अपील की भी है, तो भी गोलमोल तरीके से।इस आम अपील के जरिए भी, संघ परिवार इस दौरान जो करता रहा है, उस पर पर्दा डालने की ही कोशिश की गयी है। और इस सांप्रदायिक खेल की ओर से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है, 'खून खौलने', 'मिट्टी में मिला देने' आदि की उग्र बोली के जरिए। इस दौरान, बदले की कार्रवाई के नाम पर घाटी में बड़ी संख्या में युवाओं की अंधाधुंध गिरफ्तारियों और कथित रूप से आतंकवादी ग्रुपों से जुड़े लोगों के घरों के बम से उड़ाए जाने का सिलसिला जारी है। आने वाले दिनों में किसी प्रकार की एक और सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद से निपटने में मौजूदा निजाम की घोर विफलता को ढांपने का और इस संकट को चुनाव में भुनाने का भी हथियार बन सकती है।

खुफिया सूचना पूरी तरह पुख्ता क्यों नहीं हो पाती है

कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है।

बैसारन (पहलगाम, कश्मीर) में नरसंहार के सिलसिले में कुछ रिपोर्टों ने दावा किया कि यह एक 'खुफिया' या 'सुरक्षा' विफलता थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमरनाथ मंदिर से 50 किलोमीटर दूर पर्यटकों के लोकप्रिय पिकनिक स्थल बैसारन घास के मैदानों को 'एकीकृत कमान' के तहत काम करने राज्य के किसी भी सुरक्षा समूह द्वारा असुरक्षित क्यों छोड़ दिया गया था? एक अपुष्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि पिकनिक स्थल को आधिकारिक तौर पर खोला नहीं गया था और इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से तैयारी नहीं की गई थी।

यह प्रयास इस चूक के लिए किसी को दोषी ठहराना नहीं बल्कि यह समझाना है कि सामान्य रूप से सरकारों द्वारा 'सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों' को कैसे प्रोसेस किया जाता है और इनमें 'फासला' कैसे रखा जाता है। चूंकि जम्मू-कश्मीर एक संवेदनशील क्षेत्र है इसलिए राज्य पुलिस खुफिया विभाग के अलावा यहां देश भर के असैनिक नागरिक, सैन्य और अर्द्ध सैनिक विभागों से संबंधित खुफिया एजेंसियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है।

यद्यपि राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियां अपने मुख्यालय को रिपोर्ट करती हैं, इसके अलावा वे उप राज्यपाल और उनके अधीन 'एकीकृत कमान' को सुरक्षा परिदृश्य में किसी भी बदलाव से अवगत कराते हैं ताकि स्थानीय खतरे की अवधारणा के आधार पर निवारक तंत्र में उपयुक्त रूप से बदलाव किया जा सके। हालांकि इस तरह की खुफिया जानकारी जब उप राज्यपाल (जम्मू-कश्मीर में कानून और व्यवस्था अभी भी उनके अधीन है) जैसे उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट की जाती है तो उसे सावधानीपूर्वक सत्यापित किया जाना चाहिए क्योंकि इस तरह के अलर्ट के बाद की कार्रवाई के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव होते हैं।

कच्ची और अपुष्ट सूचनाओं का संग्रहण, मिलान, विश्लेषण, प्रसार, मध्यस्थता, नीति अधिनिर्णय और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बाद ही कार्रवाई के लिए नीति बनायी जाती है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का गैप रहना पूरी सूचना उपलब्ध न हो पाने की स्थिति पैदा करेगा जिसमें सरकार के किसी भी विंग के पास पहले से ही किसी न किसी रूप में उपलब्ध तकनीकी बिंदुओं सहित खुफिया जानकारी नीति या कार्रवाई में बदलाव संभव नहीं होता है। इसकी वजह से 'खुफिया या सुरक्षा विफलता' का अभाव महसूस होता है।

खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को अक्सर बेतरतीब तरीके से, टुकड़ों-टुकड़ों में आधी-अधूरी जानकारी मिलती है जो पूरी तस्वीर का खुलासा नहीं करती हैं, खासकर जब रुझान अल्पकालिक होते हैं। कई मौकों पर एजेंसियों के पास सुरक्षा संबंधी विषयों पर विविध, अपूर्ण या यहां तक कि परस्पर विरोधी खुफिया जानकारी होती है जिसके कारण नीति संबंधी निर्णय लेने वालों को एक परिपूर्ण तस्वीर प्राप्त करने के लिए सूचना के 'आंतरिक मतभेदों' को सुलझाने के लिए एक सक्षम मध्यस्थ की आवश्यकता होती है। यह 'इंटेलिजेंस आर्बिट्रेशन' की प्रक्रिया है।

यदि यह विफल रहता है तो सूचनाओं में अनेक रिक्त स्थान रह जाते हैं। ऐसा कई बार हुआ है। एक खुफिया मध्यस्थ भी खुफिया में लापता रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपने स्वयं के दृष्टिकोण का उपयोग करता है। इसके लिए वह मीडिया जानकारी तक का उपयोग करता है जिसे 'ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस' (ओएसआई) कहा जाता है।

कानून और व्यवस्था अधिकारियों तथा राष्ट्रीय सूचना एजेंसियों द्वारा तैयार की गई सूचना के प्रसंस्करण में बहुत अंतर है। जहां राष्ट्रीय एजेंसियां 'रणनीतिक' खुफिया जानकारी देती हैं वहीं राज्य इकाइयां 'सामरिक' जानकारी का मंथन करती हैं। 'रणनीतिक' जानकारी आम तौर पर पूरे देश को प्रभावित करने वाला दीर्घकालिक संकेत या लंबे समय सीमा का होता है जबकि 'सामरिक' सूचना अल्पकालिक रुझान है जो पुलिस कार्रवाई जैसे छोटे क्षेत्रों को प्रभावित करता है। हालांकि, विशेष रूप से विदेशी हस्तक्षेप के साथ आतंकवाद विरोधी कार्रवाई रणनीतिक और सामरिक आयाम ग्रहण कर सकती है जिसके लिए यह अध्ययन करने और अनुमान लगाने की क्षमता की आवश्यकता होती है कि विदेशी सरकारों या विदेश आधारित संगठन जैसे लश्कर हमारे खिलाफ कैसे काम करेंगे जिसे संभालने में केवल राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां ही सक्षम हैं। फिर भी, ऐसे मामले हैं जब यह प्रक्रिया पश्चिमी देशों में भी विफल रही थी। यूएस 9/11 आयोग ने अपनी रिपोर्ट 'फोरसाइट एंड हाइन्ड्साइट' (पूर्वानुमान और घटना के बाद उसकी कारण मीमांसा करना) के अध्याय 11 में इन रुझानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में ओसामा बिन लादेन की बड़े पैमाने पर अमेरिका विरोधी गतिविधियां जारी रहने के बावजूद किसी भी एजेंसी ने 9/11 जैसे परिदृश्य का अंदाजा नहीं लगाया था। इस हमले में अमेरिकी यात्री विमानों को अमेरिका के खिलाफ हथियार बनाया गया था: 'सीआईए ने संभावित अपहरण परिदृश्यों का कोई विश्लेषणात्मक आकलन नहीं लिखा था' जबकि उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने सामूहिक विनाश के हथियार ले जाने में विदेशी विमान के उपयोग का अनुमान लगाया था। किसी ने नहीं सोचा था कि अल-कायदा अमेरिकी विमानों का इस्तेमाल करेगा।

केरल में भाजपा की ईसाई-पहुंच योजना को लगा झटका

- पी. श्रीकुमारन

केरल में भाजपा के बहुचर्चित ईसाई-पहुंच कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा किये गये आत्मघाती गोल के कारण गहरा झटका लगा है, यद्यपि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किये जाने के बाद, भाजपा को केरल में ईसाई समुदाय में सेंध लगाने में थोड़ी सफलता मिली थी।

वास्तव में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर का एनार्कुलम जिले के मुनंबम में ईसाई समुदाय के एक वर्ग द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भाजपा और केंद्रीय मंत्री किरेनरिजिजू ने मुनंबम में 600 से अधिक ईसाई परिवारों के बीच उम्मीद जगायी थी, जो केरल वक्फ बोर्ड (केडब्ल्यूबी) के साथ कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। बोर्ड ने इस आधार पर उनकी संपत्ति पर दावा किया है कि यह संपत्ति उसकी है। केंद्रीय मंत्री ने ईसाई परिवारों का पक्ष लेने के लिए मुनंबम का दौरा भी किया।

भाजपा ने शुरू में यह दावा करके उनकी उम्मीदें जगायी थीं कि विधेयक के कानून बन जाने पर इसका पूर्वव्यापी प्रभाव पड़ेगा और इससे उन्हें लाभ होगा। वास्तव में, भाजपा केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) को इसी आधार पर वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करने में सफल रही थी। लेकिन मुनंबम के ईसाइयों को, हालांकि थोड़ी देर से ही सही, यह एहसास हो गया है कि कानून से उन्हें कोई लाभ नहीं होगा। रिजिजू ने खुद स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि कानून से मुनंबम के निवासियों को केडब्ल्यूबी के साथ उनकी कानूनी लड़ाई में मदद मिलेगी। ईसाई परिवार अब इस बात से नाराज हैं कि भाजपा और केंद्र सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मानो यह काफी नहीं था, आरएसएस ने अपने मुखपत्रऑर्गनाइजर में ईसाई समुदाय और चर्च को निशाना बनाते हुए लगातार दो लेख प्रकाशित करके आग में घी डालने का काम किया। संक्षिप्त हनीमून खत्म हो गया और भाजपा-आरएसएस गठबंधन की राजनीतिक चालाकी ने ईसाई समुदाय के गुस्से को फिर से भड़का दिया।

संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के तुरंत बाद, लेखों के प्रकाशन का समय महत्वपूर्ण है, जिसे उनके द्वारा किये गये हंगामे के बाद वापस ले लिया गया है। लेकिन नुकसान हो चुका है। केसीबीसी के आधिकारिक प्रवक्ता फादर थॉमस थारायिल ने स्वीकार किया कि लेख के प्रकाशन का समय निश्चित रूप से चिंता का विषय है।

लेख में दावा किया गया था कि भारत में कैथोलिक चर्च के स्वामित्व वाली भूमि देश में वक्फ संपत्तियों से कहीं अधिक है। लेख में यह भी कहा गया था कि ब्रिटिश शासकों ने चर्च को लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि पट्टे पर दी थी, और बताया कि 1965 का एक नियम अभी तक लागू नहीं हुआ है, जो औपनिवेशिक युग के चार्टर, वसीयत, पट्टे और किराये के समझौतों को निरर्थक बनाता है।

संसद द्वारा पारित विधेयक केंद्र सरकार को शैक्षणिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त को विनियमित करने का अधिकार देता है। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने सरकार को कानून के तत्काल कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट 5 मई को इस मुद्दे पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा।

जातिगत जनगणना : आगे की राह?

केन्द्र सरकार ने आखिरकार जातिगत जनगणना कराना स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नरेन्द्र मोदी सरकार ने ऐलान किया कि जनगणना के जरिये सरकार लोगों की जातिवार संख्या भी जुटायेगी। हालांकि इसकी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने यह नहीं बताया कि यह काम कब शुरू होगा। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने यह मांग पिछले लगभग दो वर्षों से जोर-शोर से उठाई हुई थी जिसमें उसके नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन ने भी अपना स्वर मिलाया है। इस मांग के कारण लगभग हाशिये पर जा चुकी कांग्रेस को भारतीय राजनीति में बड़े पैमाने पर लौटने का मौका मिला था। संविधान की रक्षा का जो नारा कांग्रेस समेत उसके सहयोगी प्रतिपक्षी दलों ने दिया था, उसने 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के संख्या बल को 2019 के मुकाबले काफी घटाया था। 2024 के प्रारम्भ में हुई राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की थीम भी जातिगत जनगणना की मांग को तर्कसंगत व जरूरी बताती थी।

इस मांग को राहुल ने सड़कों पर बड़े पैमाने पर उठाया था। उन्होंने बार-बार यह बात कही थी कि देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, आदिवासियों आदि की संख्या सर्वाधिक है परन्तु संसाधनों एवं अवसरों में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह एक तरह से कांशीराम की उठाई वह मांग है जिसमें वे कहते थे कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी।' कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते राहुल को इस मांग को उठाते हुए कोई उजर नहीं था कि यह बहुजन नेता की बात की ही प्रतिध्वनि है जिसकी वारिस मायावती इस मामले पर चुप्पी साधे हुई हैं। वे लोगों को अपने भाषणों में बतलाते रहे हैं कि केन्द्रीय सचिवालय में केवल 5 ही सचिव स्तर के ऐसे अधिकारी हैं जो ओबीसी हैं। राहुल यह भी बतलाते रहे कि बजट के पांच प्रतिशत पर ही इनका नियंत्रण है। इसलिये ओबीसी, दलितों आदि के साथ न्याय नहीं होता।

उनके द्वारा संसद में भी यह मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया गया जिसे इंडिया के सहयोगियों, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का जबर्दस्त साथ मिला। राहुल ने वर्तमान लोकसभा के प्रारम्भिक सत्रों में चेताया था कि विपक्ष सरकार से जाति आधारित जनगणना करा कर रहेगा। राहुल का कहना था कि 'भाजपा सरकार इस मांग को पूरा नहीं करेगी तो इंडिया सरकार करेगी।' भाजपा की पूरी राजनीति ही इसके विपरीत है- सवर्णों को बल देने वाली। इसे लेकर राहुल का न केवल मजाक उड़ाया गया वरन उन्हें अपमानित भी किया गया था। पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि, 'जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।' भाजपा तथा उसके सहयोगी एनडीए के सांसदों ने इसका भरपूर लुत्फ उठाया था; परन्तु अब सरकार के इस एकतरफा निर्णय से वे हैरान हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि जनता को इस बात का क्या जवाब दें कि आखिर उनकी पार्टी की सरकार ने यह फैसला क्योंकर लिया जो अब तक इसकी विरोधी थी। फैसले की हां में हां मिलाने के अलावा जिन पार्टी सदस्यों, समर्थकों, नेताओं, विधायकों व सांसदों के पास और कोई चारा नहीं है वे यह कहकर इसे 'मोदी का मास्टरस्ट्रोक' साबित करने पर तुले हैं कि 'इस फैसले ने राहुल, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के हाथ से बड़ा मुद्दा छीन लिया है।'

इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कुछ सवाल सामने आ रहे हैं। पहला यह कि नीतिगत विरोध के बावजूद भाजपा की क्या मजबूरी रही कि उसे यह फैसला लेना पड़ा? कुछ का कहना है कि पहलगाम के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिये भाजपा ने यह कदम उठाया है ताकि कश्मीर के मुद्दे पर उसकी विफलता ढंक जाये। यह भी कहा जाता है कि सरकार दुनिया को संदेश देना चाहती है कि आतंकी हमले के बावजूद सरकार देश के अंदरूनी मसलों पर ध्यान बनाये हुए है। यानी देश का एक निर्भीक व अविचलित चेहरा वह दुनिया को दिखाना चाहती है। इस बड़े फैसले से दुनिया महसूस करे कि पहलगाम की घटना के बावजूद न घबराहट है, न बदहवासी- चाहे युद्ध की आशंका बन चुकी हो। यह भी माना जाता है कि बिहार में भाजपा इस मुद्दे को आगे बढ़ायेगी। वह केवल कांग्रेस तथा उसके साथी राजद व सीपीएम (माले) से ही नहीं, अपने सहयोगी नीतीश कुमार (जनता दल यूनाइटेड) से भी यह मुद्दा छीनना चाहती है। उस राज्य में खुद के बूते सरकार बनाने पर भाजपा आमादा है जहां इसी साल सितम्बर के बाद चुनाव होंगे। दूसरा सवाल यह है कि इस मुद्दे को लेकर विपक्ष, विशेषतः कांग्रेस की आगे की राह क्या हो? कांग्रेस को इस बात से खुश होकर नहीं रह जाना चाहिये कि सरकार को यह निर्णय लेने हेतु मजबूर करने से उसकी नैतिक जीत हुई है। उससे बात नहीं बनेगी। इसके बल पर उसे चुनाव भी जीतने होंगे। बिहार का चुनाव उसकी पहली परीक्षा होगी जहां से इस मांग की शुरूआत हुई थी। इस मुद्दे पर यहां कांग्रेस-राजद की जीत देश के लिये परिवर्तनकारी होगी। राहुल ने आरक्षण की 50 फीसदी की दीवार को तोड़ने का भी भरोसा जताया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के पास इसका मॉडल पहले से है।

गर्मी में यूरिन इन्फेक्शन के शुरूआती लक्षण, ऐसे करें बचाव?

गर्मियों में अक्सर यूरिन इफेक्शन की परेशानी रहती है. हालांकि इसके लक्षण इतने हल्के होते हैं कि इफेक्शन का पता ही नहीं चलता. लंबे समय तक यूरिन इफेक्शन बने रहने से कई तरह की गंभीर बीमारियों का भी खतरा रहता है. यूरिन इफेक्शन के कारण यूरिन ब्लैडर, यूरिन ट्रैक और किडनी की भी गंभीर समस्या हो सकती है. इसलिए जरूरी है कि यूरिन इफेक्शन के लक्षणों को पहचानकर उसका इलाज करवाया जाए और गंभीर बीमारी से बचें.

गर्मी में अक्सर डिहाइड्रेशन के कारण यूरिन इफेक्शन हो जाता है. डिहाइड्रेशन के कारण होने वाले यूरिन इन्फेक्शनव urine infection occurs in summer, keep these things in mind का जल्दी पता भी नहीं चल पाता. हालांकि यूरिन इफेक्शन की शुरूआत में कुछ लक्षण उभरते हैं. लेकिन, वह लक्षण इतने हल्के होते हैं कि मरीज उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं. जिसके कारण इफेक्शन लंबे समय तक बना रहता है और उसके चलते कई गंभीर बीमारी मरीज को घेर लेती हैं. यूरिन इफेक्शन के कारण किडनी में पथरी हो सकती है. इसके अलावा यूरिन ट्रैक में इफेक्शन हो सकता है, जिसमें बहुत दर्द होता है. कई बार यूरिन इफेक्शन के कारण मूत्र मार्ग संकरा भी हो जाता है, जिसका इलाज काफी मुश्किल होता है. गर्मियों में डिहाइड्रेशन के कारण होने वाले यूरिन इफेक्शन के लक्षण बेहद हल्के होते हैं. इनमें यूरिन का पैटर्न बदलना, दिन भर में दो या तीन बार ही यूरिन आना. यूरिन करने के दौरान हल्की जलन होना. यूरिन का पीला या गाढ़ा होना. यूरिन ट्रैक में हमेशा हल्की सी जलन महसूस होना. डिहाइड्रेशन के कारण होने वाले यूरिन इफेक्शन के शुरूआती लक्षण हैं. डिहाइड्रेशन के कारण यूरिन का निर्माण कम हो जाता है. जिसके चलते यूरिन पैटर्न बदल जाता है. यह पहला लक्षण है जो महसूस होता है, लेकिन मरीज इसे नजरअंदाज कर देते हैं. इस लक्षण के उभरते ही डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. गर्मियों में खुद को हाइड्रेट रखें. दिन भर में पर्याप्त पानी पिएं और धूप में जाने पर पानी की मात्रा बढ़ा दें. पानी नहीं पी रहे हैं तो कोई और तरल पदार्थ जरूर पिएं. लस्सी, नारियल पानी, शिकंजी. सत्तू, जूस आदि आपको हाइड्रेट रखने में सहायता कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में तीन लोग घायल

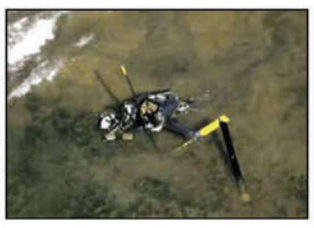

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी तट पर शुक्रवार को एक हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। विक्टोरिया पुलिस ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे के बाद मेलबर्न से 60 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में तटीय शहर प्वाइंट लोन्सडेल के पास हेलिकॉप्टर को पानी में गिरते देखा गया। उन्होंने कहा कि विमान में सवार तीनों लोगों की औपचारिक पहचान नहीं हो पाई है। हादसे के बाद वे किनारे पर पहुंचने में सफल रहे। इनमें से एक पुरुष और एक महिला को गंभीर चोटों के साथ हवाई मार्ग से अस्पताल ले जाया गया जबकि दूसरे पुरुष को भी गंभीर चोटों के साथ सड़क मार्ग से अस्पताल ले जाया गया। विक्टोरिया पुलिस ने एक बयान में कहा कि घटना के सटीक हालात अभी पता नहीं चल पाए हैं। ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो पुलिस की सहायता से दुर्घटना की जांच करेगा।

जर्मनी के बर्लिन में गोलीबारी में दो लोग घायल

बर्लिन । जर्मनी के बर्लिन में गोलीबारी की घटना में दो लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी है। बर्लिन पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर कहा कि यह घटना क्रेउज़बर्ग जिले में हुई जहाँ संदिग्धों ने एक या एक से अधिक वाहनों से कई गोलियाँ चलाईं अखबार बिल्ड के अनुसार दोनों पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया एवं उनकी चोटें जानलेवा नहीं मानी जा रही हैं। घटना के सिलसिले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। हमले के पीछे का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

ट्रंप ने ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने की दी धमकी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से तेल खरीदने वाले किसी भी देश पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट पर लिखा ईरानी तेल और सभी प्रकार के पेट्रोकेमिकल्स उत्पादों की खरीद तुरंत बंद होनी चाहिए। कोई देश या व्यक्ति ईरान से तेल या पेट्रोकेमिकल्स उत्पाद खरीदता है तो उसके खिलाफ तुरंत प्रभाव से द्वितीयक प्रतिबंध लगाये जायेंगे। उन्होंने आगे लिखा ऐसा करने वाले अमेरिका के साथ किसी भी तरह से व्यापार नहीं कर पायेंगे। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह धमकी तब आयी है जब ओमान ने घोषणा की कि इस आने वाले सप्ताहांत के लिए निर्धारित परमाणु वार्ता स्थगित कर दी गयी है। ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसैदी ने एक्स एकाउंट पर लिखा लॉजिस्टिक कारणों से तीन मई शनिवार को प्रस्तावित यूएस-ईरान वार्ता को हम पुनर्निधारित कर रहे हैं। आपसी सहमति के बाद वार्ता की नयी तारीख की घोषणा कर दी जायेगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण से पहले कैबिनेट बैठक स्थगित, राज्य मंत्री का शपथग्रहण रुका

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज राष्ट्रपति के अभिभाषण से पहले कैबिनेट बैठक को स्थगित कर दिया, जिसमें सरकार की नीति तथा कार्यक्रम को पारित किया जाना था। इसके अलावा नवनियुक्त ऊर्जा राज्य मंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति आज शुक्रवार को तीन बजे संसद के संयुक्त सत्र में सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पेश करने वाले हैं। उससे पहले कैबिनेट बैठक से इसे पारित किया जाना था। लेकिन अंतिम समय में प्रधानमंत्री की तरफ से कैबिनेट बैठक को स्थगित कर दिया गया। हालांकि इसका कारण अभी तक नहीं बताया गया है।इसके अलावा आज ही नवनियुक्त ऊर्जा राज्य मंत्री का भी शपथग्रहण भी स्थगित कर दिया गया है। सरकार ने कल नेपाली कांग्रेस के खम बहादुर गरबुजा को ऊर्जा राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया था। शपथ ग्रहण आज सुबह 10 बजे निर्धारित किया गया था।

नासा के स्पीयरएक्स ने विज्ञान संचालन शुरु किया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । लॉस एंजिल्स 02 मई (वार्ता) अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अंतरिक्ष वेधशाला स्पीयरएक्स ने आधिकारिक तौर पर विज्ञान संचालन शुरू कर दिया है जो ब्रह्मांड की उत्पत्ति, आकाशगंगाओं के विकास और आकाशगंगा में जीवन के निर्माण खंडों में नई अंतर्दृष्टि को उजागर करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नासा ने यह घोषणा की। नासा ने बताया कि स्पीयरएक्स अगले दो वर्षों में प्रतिदिन लगभग 3,600 चित्र लेगा एवं पूरे आकाश का व्यवस्थित रूप से सर्वेक्षण करेगा। नासा के अनुसार 11 मार्च को लॉन्च किए गए स्पीयरएक्स ने पिछले छह सप्ताह जांच, अंशांकन और अन्य गतिविधियों से गुजरते हुए बिताए हैं ताकि यह सुनिश्चित हो

सके कि यह ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब विज्ञान संचालन शुरू होने के साथ वेधशाला तीन आयामों में करोड़ों आकाशगंगाओं की स्थिति का चार्ट बनाएगी। इसका लक्ष्य ब्रह्मांड विज्ञान में कुछ सबसे गहन प्रश्नों को संबोधित करना है, जैसे कि ब्रह्मांड कैसे शुरू हुआ और इसकी बड़े पैमाने की संरचना कैसे विकसित हुई।वाशिंगटन में नासा मुख्यालय में खगोल भौतिकी प्रभाग के कार्यवाहक निदेशक शॉन डोमागल-गोल्डमैन ने कहा यह नई वेधशाला अंतरिक्ष आधारित खगोल भौतिकी सर्वेक्षण मिशनों के समूह में शामिल हो रही है जो नासा के नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप के प्रक्षेपण की ओर अग्रसर है। इन अन्य मिशनों के साथ वेधशाला ब्रह्मांड के बारे में उन बड़े सवालों के जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी जिनसे हम नासा में हर दिन निपटते हैं।÷ नासा के अनुसार वेधशाला अपने 25 महीनों के नियोजित सर्वेक्षण कार्यों में 11,000 से अधिक परिक्रमाएँ पूरी करेगी जो प्रतिदिन लगभग 14 और आधा बार पृथ्वी की परिक्रमा करेगी।

पाकिस्तान में सिंधु नदी से सटे कराकोरम राजमार्ग पर हादसा, कार खाई में गिरी, परिवार के आठ सदस्यों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में कल शाम हुए एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ सदस्यों की जान चली गई। यह हादसा लोअर कोहिस्तान के मट्ठा बंदा इलाके में सिंधु नदी से सटे कराकोरम राजमार्ग पर हुआ। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार के अनुसार, एक कार गिलगित बाल्टिस्तान से पंजाब जा रही थी। चालक के स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो देने से कार राजमार्ग पर एक तीव्र मोड़ के दौरान खाई में गिर गई। पुलिस अधीक्षक तैमूर खान ने बताया कि सभी आठ शवों को बरामद कर लिया गया है। पीड़ितों की पहचान रावलपिंडी के आसिफ इकबाल, उनकी पत्नी मेमोना इकबाल, उनके चार बच्चों और दो रिश्तेदारों आयशा सिद्दीकी और बुशरा वसीम के रूप में हुई है। खान ने कहा कि कराकोरम राजमार्ग पर ऊपरी और निचले क्षेत्र में कई खतरनाक मोड़ हैं। यहां आमतौर हादसे होते रहते हैं।

नोटम अलर्ट की अनदेखी कर बांग्लादेश का विमान मदीना से उड़ा, ढाका में नहीं हो सकी लैंडिंग

एजेंसी

ढाका। 'बांग्लादेश एयरलाइन बिमान' कंपनी के बोइंग 777 ने कल नोटम अलर्ट की अनदेखी कर सऊदी अरब के मदीना से ढाका के लिए उड़ान भरी। इस वजह से उसे यहां हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमित नहीं मिली। आखिरकार उड़ान को सिलहट की ओर मोड़ना पड़ा। दे डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, बोइंग 777 के पायलट-इन-कमांड ने ढाका स्थित हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नोटम (एयरमैन नोटिस) अलर्ट को नजरअंदाज किया। इसमें संकेत दिया गया था कि हवाई अड्डा एक निश्चित अवधि के लिए अनुपलब्ध रहेगा। सूत्रों ने बताया कि उड़ान के मार्ग परिवर्तन से एयरलाइन को भारी नुकसान हुआ। नोटम पायलटों और एयरलाइन संचालकों को बंद रन-वे, हवाई क्षेत्र प्रतिबंध, खतरे या हवाई अड्डे की सुविधाओं में बदलाव जैसी चीजों के बारे में सचेत करता है। इनके बारे में उन्हें उड़ान से पहले या

उड़ान के दौरान पता होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, उड़ान नोटम अवधि के दौरान बुधवार को पहंची। नोटम अवधि सुबह 11:45 से दोपहर 12:45 बजे तक थी। इस कारण उड़ान को सिलहट उस्मानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट करना पड़ा। कंपनी ने माना है कि इस डायवर्जन से बचने के लिए मदीना से प्रस्थान में देरी करनी चाहिए थी। बिमान के महाप्रबंधक (जनसंपर्क) बुशरा इस्लाम ने इस चूक को स्वीकार किया है। इससे पहले इसी तरह की एक घटना में कंपनी के विमान डिस्पैचर सहित सभी चालक दल को निलंबित किया जा चुका है।

खालिदा जिया लंदन से पांच मई को लौटेंगी स्वदेश

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंदन से 05 मई को स्वदेश लौट सकती हैं। वह लंबे समय से लीवर सिरोसिस, किडनी, हृदय, मधुमेह और गठिया सहित विभिन्न शारीरिक बीमारियों से पीड़ित हैं। इस साल 08 जनवरी को उन्हें बेहतर इलाज के लिए लंदन ले जाया गया था।

दे डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, खालिदा जिया लंदन में इलाज के बाद अब बेहतर महसूस कर रही हैं।बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि उनकी शारीरिक स्थिति पहले से काफी बेहतर है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह 05 मई को स्वदेश लौट आएंगी। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के साथ उनकी दो बहुएं तारिक रहमान की पत्नी डॉ. जुबैदा रहमान और दिवंगत अराफात रहमान कोकर की पत्नी सईदा शमिला रहमान सिंथी भी होंगी। वह बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की नियमित उड़ान से स्वदेश लौटेंगी।साल 2018 में खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार कर ओल्ड ढाका सेंट्रल जेल

में बंद कर दिया गया था। कोरोना महामारी के दौरान पिछली सरकार ने उन्हें विशेष परिस्थियों में घर भेज दिया था। पिछले साल 05 अगस्त को अवामी सरकार के पतन के बाद राष्ट्रपति के आदेश पर खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया था। इसके बाद अदालत ने भ्रष्टाचार के दो मामलों में फैसले को रद्द कर दिया। उन्हें इस साल 08 जनवरी को बेहतर इलाज के लिए लंदन ले जाया गया। वहां 17 दिनों तक लगातार उनका इलाज किया गया। 25 जनवरी को लंदन के क्लीनिक से उन्हें अपने बेटे तारिक रहमान के घर ले जाया गया। खालिदा जिया ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ ईद मनाई। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी कैद के दौरान चार ईदें जेल और बांग्लादेश मेडिकल यूनिवर्सिटी अस्पताल में बिताईं। खालिदा जिया फिलहाल तारिक रहमान के घर पर हैं।

भारत से लौटने वाले हमारे नागरिकों के लिए खुली रहेगी वाघा बॉर्डर : पाकिस्तान

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने भारत से लौटने वाले अपने नागरिकों के लिए वाघा सीमा को खुला रखने की घोषणा की। पहलगामा आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए थे। पाकिस्तान विदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, हालांकि भारत से पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी की अंतिम तिथि 30 अप्रैल थी, लेकिन यदि भारतीय अधिकारी उन्हें अपनी ओर से सीमा पार करने की अनुमति देते हैं तो लाहौर में वाघा बॉर्डर हमारे नागरिकों के लिए खुला रहेगा। बयान में कहा गया, वाघा सीमा भविष्य में भी पाकिस्तानी नागरिकों के लिए खुली रहेगी। विदेश कार्यालय ने कहा, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का भारत का निर्णय गंभीर मानवीय चुनौतियां पैदा कर रहा है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों

को जारी किए गए सभी वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए और उनके स्वेदश लौटने के लिए 30 अप्रैल तक की समय-सीमा तय की। पाकिस्तान ने भी यही कदम उठाया, जिससे दोनों तरफ के सैकड़ों परिवारों को अपने प्रवास को छोटा करने और देश छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। बता दें आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 'टीआरएफ' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के खिलाफ कई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, शामिल हैं। भारत के इन फैसलों के बाद पाकिस्तान ने शिमला समझौते को स्थगित करने और भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने, भारतीय नागरिकों के वीजा रद्दे करने जैसे कदम उठाए।

ट्रंप प्रशासन ने जलवायु परिवर्तन संबंधी मुकदमों पर रोक के लिए हवाई और मिशिगन पर किया मुकदमा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हवाई और मिशिगन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है ताकि ये राज्य तेल कंपनियों के खिलाफ जलवायु परिवर्तन से जुड़े संभावित मुकदमे दाखिल न कर सकें। प्रशासन का कहना है कि ये डेमोक्रेटिक शासित राज्य घरेलू ऊर्जा उत्पादन में बाधा डाल रहे हैं और संघीय अधिकारों से परे जाकर काम कर रहे हैं।

हालांकि हवाई और मिशिगन ने अभी तक कोई औपचारिक मुकदमा दायर नहीं किया है, लेकिन हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने स्थानीय टीवी चैनल को बताया कि उनका राज्य जल्द ही जीवाश्म ईंधन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगा। वहीं, मिशिगन की अटॉर्नी जनरल डाना नेसल ने पिछले वर्ष जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुकदमों में सहायता के लिए कुछ कानूनी फर्मों की नियुक्ति की थी। इससे पहले, हवाई और मिशिगन में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा दायर मुकदमों में कहा गया कि इन राज्यों के प्रस्तावित मुकदमे संघीय पर्यावरणीय नीतियों और विदेश नीति में अनुचित हस्तक्षेप करते हैं। यह एक असाधारण क्षेत्रीय अतिक्रमण है जो संविधान के तहत अस्वीकार्य है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने अपने मुकदमे में कहा,राज्य स्तर पर लगाए गए प्रतिबंधों और बोझ के कारण अमेरिकी जनता को ऊर्जा के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है और देश की सुरक्षा भी खतरे में है।

अमेरिका ने महामारी-प्रवण वायरस के लिए अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका ने महामारी प्रवण वायरस के लिए अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफार्म लाँच किया है। अमरीकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ (एनआईएच) ने जेनरेशन गोल्ड स्टैंडर्ड के लॉन्च की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह महामारी-प्रवण वायरस से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफ़ॉर्म है। एनआईएच के अनुसार यह प्लेटफ़ॉर्म बीटा-प्रोपियोलैक्टोन (बीपीएल)-निष्क्रिय, संपूर्ण-वायरस दृष्टिकोण पर आधारित है जो पारंपरिक वैक्सीन तकनीक का एक आधुनिक रूप है। एनआईएच ने

एक विज्ञप्ति में कहा कि यह पहल पारदर्शिता, प्रभावशीलता और व्यापक तैयारी की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है जो एनआईएच के सार्वभौमिक इन्फ्लूएंजा और कोरोनावायरस टीकों के इन-हाउस विकास को वित्तपोषित करती है जिसमें बीपीएल-1357 और बीपीएल-24910 शामिल हैं। एनआईएच के अनुसार इन टीकों का उद्देश्य महामारी-प्रवण वायरस जैसे एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा सहित कोरोनावायरस के कई प्रकारों के खिलाफ व्यापक-स्पेक्ट्रम सुरक्षा प्रदान करना है। एनआईएच के निदेशक डॉ. जय भट्टाचार्य ने कहा, जनरेशन गोल्ड स्टैंडर्ड एक आदर्श बदलाव है। यह स्ट्रेन-विशिष्ट सीमाओं से परे वैक्सीन सुरक्षा का विस्तार करता है और फ्लू वायरल खतरों के लिए तैयार करता है न केवल आज बल्कि कल भी 21वीं सदी में लाई गई पारंपरिक वैक्सीन तकनीक का उपयोग करके। एनआईएच के अनुसार सार्वभौमिक इन्फ्लूएंजा टीकों के लिए नैदानिक परीक्षण 2026 में शुरू होने वाले हैं जबकि अमरीकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की स्वीकृति 2029 के लिए लक्षित है।

पाकिस्तान युद्ध में बच्चों को थमा सकता है बंदूक, नियंत्रण रेखा के पास स्कूलों में दिया जा रहा है प्रशिक्षण

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को कराए गए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के हाथ-पांव फूले हुए हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आईएसआई) और फौज को लग रहा है कि भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसलिए अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के स्कूलों के खेल मैदानों को तेजी के साथ प्राथमिक चिकित्सा शिविरों में बदला जा रहा है। पाकिस्तान के लगभग सभी प्रमुख अखबारों में आज इस खबर को तरजीह दी गई है। जियो न्यूज में अन्य समाचार माध्यम से प्रसारित की गई खबर में कहा गया है कि इसका मकसद है अगर भारत के साथ युद्ध छिड़ जाता है तो बच्चों के कैसे जवाब देना है। सनद रहे पाकिस्तान कह चुका है कि उसके पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत आसन्न सैन्य हमले की योजना बना रहा है। पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना

है कि सीमा के पाकिस्तान की तरफ 6,000 से अधिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं। इनमें नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर 1,195 हैं। हाल ही में मुजफ्फराबाद के 13 स्कूलों में फायरिंग रेंज का दौरा किया। सैनिकों से युद्ध में पीछे न हटने का आह्वान किया। उन्होंने पाकिस्तान सेना की मंगला स्ट्राइक कोर के प्रशिक्षण अभ्यास को भी देखा। बच्चों को युद्ध के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर कल रावलपिंडी में देखे गए। उन्होंने टीला फील्ड

राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज को हटाया, विदेशमंत्री मार्को रुबियो को सौंपी जिम्मेदारी

वाशिंगटन। सिग्नल ऐप चैट से सुर्खियों में आए अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइकल वाल्ट्ज की छुट्टी कर दी गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल घोषणा की कि उन्होंने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज को हटा दिया है। उनके स्थान पर अंतरिम रूप से

विदेशमंत्री मार्को रुबियो को नियुक्त किया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, यह व्हाइट हाउस के शीर्ष सहयोगियों में पहला बड़ा कार्मिक फेरबदल है। हालांकि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में ऐसा कदम नहीं उठाना चाहते थे। वाल्ट्ज तब से मुश्किल में थे जब उन्होंने सिग्नल ऐप पर यमन में एक संवेदनशील सैन्य अभियान पर चर्चा करने के लिए एक समूह चैट आयोजित की। गलती से उसमें एक पत्रकार को शामिल कर लिया। ट्रम्प ने वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि रुबियो फिलहाल दोनों पदों पर बने रहेंगे।

बांग्लादेश - अवमानना के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अवामी लीग की प्रतिबंधित छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील आलम बुलबुल को अदालत की कथित अवमानना के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि आईसीटी अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने दोनों व्यक्तियों को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मुजुमदार की अध्यक्षता में सोशल मीडिया पर लीक हुए एक वायरल ऑडियो क्लिप की सामग्री पर यह आदेश पारित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को दिखाया गया था, जिसके माध्यम से उन्होंने कथित तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और न्यायाधिकरण को धमकी दी। आईसीटी अभियोजक ने कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक परीक्षण कराया और पुष्टि की कि आवाज शेख हसीना की है। पिछले वर्ष अगस्त में सत्ता में आने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री, उनके परिवार के सदस्यों और अवामी लीग समर्थकों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

पिछले महीने बांग्लादेश के एक न्यायाधिकरण ने 2013 में ढाका के शापला छत्तर में हुए कथित सामूहिक हत्याकांड के लिए हसीना और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बेनजीर अहमद सहित चार अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इससे पहले जनवरी में ढाका में एक विशेष

न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ जबरन गायब किए जाने की घटनाओं के संबंध में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। विडंबना यह है कि इस न्यायाधिकरण की स्थापना शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के भूभाग में पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने स्थानीय सहयोगियों की मदद से किए गए नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाना, उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें दंडित करना था। विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा किया जा रहा एक बड़ा राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि अगस्त 2024 में उनके पद से हटने के तुरंत बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों के खिलाफ तुच्छ आधार पर कई मामले दर्ज किए गए थे। देश में लोकतंत्र की बहाली के संघर्ष में अग्रणी आवाज रहीं बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को अपमानजनक तरीके से देश छोड़कर 5 अगस्त को भारत में शरण लेनी पड़ी थी। फरवरी में भारत से अवामी लीग समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश को कथित तौर पर आतंकवाद और अराजकता के केंद्र में बदलने का आरोप लगाया था।

उप्र की टीम ने जीती आमंत्रण राष्ट्रीय ब्लाइंड क्रिकेट प्रतियोगिता

एजेंसी

मुरादाबाद। ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के सचिव डॉ. एबी पाठक ने बताया कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आमंत्रण राष्ट्रीय ब्लाइंड क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी मुनिराज जी एवं मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव रहे। प्रतियोगिता का फाइनल मैच उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य खेला गया, जिसमें उप्र की टीम विजयी रही। फाइनल मैच के मैन आफ द मैच महेन्द्र यादव रहे। प्रभारी क्षेत्रीय कीड़ाधिकारी प्रदीप सक्सेना व डॉ एबी पाठक ने अतिथियों का बुके, शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा उप्र ब्लाइन्ड क्रिकेट के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं नगद धनराशि 15,000 रूपये प्रदान किए गए। उप विजेता टीम महाराष्ट्र को पुरस्कार एवं नगद धनराशि 10,000 रुपये से पुरस्कृत किया गया। ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन उप्र के सचिव डॉ. अजय पाठक ने दिव्यांग खिलाड़ियों को यह आश्वासन दिया कि भविष्य में जल्द ही इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन कराया जायेगा। इस अवसर अंकित अग्रवाल, नरेश पाल सिंह, आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन कोच, यश शुक्ला क्रिकेट प्रशिक्षक, गोविन्द कुमार कुश्ती कोच, व स्टेडियम के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

साइ सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल किया जाना चाहिए, पूर्व मुख्य कोच ने किया समर्थन

दुबई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने युवा साइ सुदर्शन को हर प्रारूप का बल्लेबाज बताते हुए कहा कि उसे इस साल इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया जाना चाहिए। भारतीय टीम नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र (2025 - 2027) की शुरूआत इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला से करेगा। भारत को न्यूजीलैंड ने घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 3.0 से और आस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 3.1 से हराया था। आईपीएल में इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 456 रन के साथ दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस के सुदर्शन के बारे में शास्त्री ने कहा कि काउंटी खेलने के अनुभव और अपनी तकनीक के कारण वह इंग्लैंड के हालात में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे का आगाज 20 जून से शुरू हो रहे हेडिंग्ले टेस्ट से करेगी। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि यह युवा खिलाड़ी साइ सुदर्शन हर प्रारूप का खिलाड़ी है। वह शानदार क्रिकेटर है। इंग्लैंड के हालात में एक खब्बू बल्लेबाज और तकनीक में कुशल होने के कारण मैं चाहूंगा कि वह भारतीय टीम में रहे।उन्होंने कहा कि भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट और आईपीएल में फॉर्म में चल रहे श्रेयस अय्यर भी चुने जा सकते हैं लेकिन उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा।

श्रीसंत पर गिरी गाज, इस मामले को लेकर केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम । केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन को बाहर किए जाने से जुड़े विवाद के संबंध में कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है। ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 30 अप्रैल को कोच्चि में आयोजित अपनी विशेष आम सभा की बैठक में लिया गया। श्रीसंत वर्तमान में केरल क्रिकेट लीग की एक फ्रेंचाइजी टीम कोल्लम एरीज के सह-मालिक हैं। इससे पहले उनकी विवादास्पद टिप्पणी के संबंध में श्रीसंत के साथ-साथ फ्रेंचाइजी टीमों कोल्लम एरीज, अलाप्पुझा टीम लीड और अलाप्पुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बयान में कहा गया है, %चूंकि फ्रैंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दिया है, इसलिए उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि बैठक में टीम प्रबंधन में सदस्यों की नियुक्ति करते समय अधिक सावधानी बरतने की सलाह देने का फैसला किया गया।

आखिरी सैकेंड रिव्यू पर बोले रोहित शर्मा- मुझे सिर्फ एक ही चिंता थी कि...

नई दिल्ली। जयपुर के मैदान पर मुंबई इंडियंस को 13 साल बाद जीत दिलाने में रोहित शर्मा का भी बड़ा योगदान रहा जिन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम का स्कोर 200 पार पहुंचाया। मैच में एक क्षण ऐसा भी आया था जब दूसरे ही ओवर में फजलहक फारूखी ने रोहित शर्मा को पगबाधा आऊट कर दिया था। लेकिन रोहित ने आखिरी सेकेंड में रिव्यू लेकर अंपायर की राय जाननी चाही। रिव्यू में वह नॉटआऊट निकले। पहली पारी खत्म होने के बाद जब उनसे इस बाबत पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे केवल इस बात की चिंता थी कि गेंद लाइन में पिच हो रही है या नहीं, यह एक नकल बॉल थी इसलिए मुझे पता था कि यह उछल नहीं पाएगी। मैंने अपना मौका भुनाया और इसका फायदा हुआ। रोहित ने इस दौरान अपनी पारी पर बात करते हुए कहा कि आज अच्छी शुरुआत करना महत्वपूर्ण था। कुछ ओवरों को देखते हुए, गेंद अच्छी तरह से आ रही थी और हमने अपने मौके भुनाए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जीत की तलाश में भारतीय महिला हॉकी टीम, 3-4 मई को होंगे अंतिम दो मुकाबले

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अंतिम दो मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। इन दोनों मुकाबलों में टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से होगा, जो विश्व स्तर पर एक मजबूत टीम मानी जाती है। ऐसे में भारतीय महिला टीम के लिए चुनौती आसान नहीं होगी, लेकिन टीम इन मुकाबलों को जीतकर दौरे की निराशा को पीछे छोड़ना चाहती है। इस दौरे पर अब तक भारत को कोई जीत नहीं मिली है। कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान नवनीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने अब तक ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ एक मैच खेला है, जिसमें उसे 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा भारत ने ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम के खिलाफ दो दोस्ताना मुकाबले भी खेले, लेकिन जीत दर्ज करने में

नाकाम रही। टीम इस दौरे को अगले साल होने वाले हॉकी विश्व कप और इस साल के अंत में यूरोप में होने वाली एफआईएच प्रो लीग की तैयारी के तौर पर देख रही है। इसलिए मुख्य कोच हरेंद्र सिंह नई रणनीतियों और खिलाड़ियों के संयोजन को आजमा रहे हैं। हरेंद्र सिंह ने कहा, हमारे लिए यह दौरा काफी अहम है। भले ही जीत नहीं मिली है, लेकिन खिलाड़ियों के प्रदर्शन में कई सकारात्मक संकेत देखने को मिले हैं। हार से निराशा जरूर होती है, खासकर तब जब हम आसान गोल गंवा बैठते हैं, लेकिन ऐसे मुकाबलों का अनुभव खिलाड़ियों को मजबूत बनाता है। उन्होंने आगे कहा, टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए यह एक बेहतरीन मौका है।

जितना अधिक मैच खेलेंगे, उतना ही उनका आत्मविश्वास और अनुभव बढ़ेगा। इस दौरे का उद्देश्य सिर्फ परिणाम नहीं बल्कि टीम को भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। भारतीय महिला हॉकी टीम अब दौरे के अंतिम दो मैच 3 और 4 मई को पर्थ में खेलेगी। ये दोनों मुकाबले भारतीय समयानुसार दोपहर 3:10 बजे शुरू होंगे। टीम और कोचिंग स्टाफ की नजर इन मुकाबलों में जीत हासिल कर आत्मविश्वास के साथ दौरे का समापन करने पर होगी।

मैड्रिड ओपन 2025 : कोको गॉफ ने स्वियातेक को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मैड्रिड। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने मौजूदा चैंपियन और दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियातेक को मैड्रिड ओपन 2025 के सेमीफाइनल में करारी शिकस्त दी। गॉफ ने यह मुकाबला महज 64 मिनट में 6-1, 6-1 से जीतकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। स्वियातेक एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं बना सकीं पोलैंड की पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक इस मुकाबले में पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। वह एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और अपनी सर्विस पांच बार गंवाई। गॉफ ने पहले सेट में तीसरे, पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक कर स्वियातेक को पूरी तरह दबाव में ला दिया। यह पहली बार है जब 21 वर्षीय कोको गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियातेक को हराया है। उन्होंने दूसरे सेट में भी दो बार ब्रेक किया और बिना कोई गलती किए पहला ही मैच प्वाइंट भुना लिया। स्वियातेक का इस साल मैड्रिड ओपन में प्रदर्शन अस्थिर रहा। उन्होंने पहले राउंड में अलेक्जेंड्रा ईला और फिर डायना श्नाइडर के खिलाफ सेट गंवाए। क्वार्टर फाइनल में उन्हें मैडिसन कीज़ से पहले सेट में 6-0 की हार झेलनी पड़ी थी, हालांकि बाद में उन्होंने वापसी की। लेकिन सेमीफाइनल में गॉफ के सामने वह पूरी तरह बेबस नजर आईं।

अब टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल बेलारूस की आर्यना सबालेंका और यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। दोनों खिलाड़ी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और विजेता का सामना फाइनल में गॉफ से होगा।

भारतीय और अमेरिकी टीम के बीच शतरंज महा-मुकाबला 4 अक्टूबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। शतरंज प्रेमियों के लिए एक रोमांचक खबर सामने आई है। हाल ही में विश्व चैम्पियन बने ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश के नेतृत्व में भारतीय टीम 4 अक्टूबर को अमेरिका में जीएम हिकारू नाकामुरा की अगुवाई वाली अमेरिकी टीम से भिड़ेगी।

यह हाई-वोल्टेज मुकाबला

'चेकमैट: यूएसए वर्सेस भारत' नाम से अमेरिका के एरिंगटन स्थित ईस्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इस पांच-बोर्ड मुकाबले में शतरंज की दुनिया के बड़े सितारे, उभरते हुए खिलाड़ी, महिला प्रतिभाएं और लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर्स आमने-सामने होंगे।

दिग्गजों की टक्कर: गुकेश बनाम नाकामुरा, एरिगैसी बनाम कारुआना

भारत की ओर से शीर्ष बोर्ड पर डी. गुकेश उतरेंगे, जिनका सामना अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा से होगा। दूसरे बोर्ड पर भारत के जीएम अर्जुन एरिगैसी और अमेरिका के जीएम फेबियानो कारुआना के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

गौथमचेस बनाम सागर शाह: कंटेंट क्रिएटर्स की दिलचस्प भिड़ंत

तीसरे बोर्ड पर शतरंज के दो

चर्चित कंटेंट क्रिएटर्स आमने-सामने होंगे। अमेरिका की ओर से आईएम लेवी रोज़मैन (गौथमचेस) जबकि भारत की ओर से आईएम सागर शाह (चेसबेस इंडिया के संस्थापक) मुकाबले में उतरेंगे। यह भिड़ंत दर्शकों के बीच खासा रोमांच भरने वाली होगी।

महिला प्रतिभाओं की भिड़ंत:करिसा यिप बनाम दिव्या देशमुख

महिला बोर्ड पर अमेरिका की सबसे होनहार युवा खिलाड़ी करिसा यिप और भारत की अंडर-21 में विश्व की सर्वोच्च रेटेड महिला खिलाड़ी दिव्या देशमुख आमने-सामने होंगी।

जूनियर स्टार्स का मुकाबला: तनितोलुवा बनाम एथन वाज़

पांचवें बोर्ड पर जूनियर खिलाड़ियों में अमेरिका के तनितोलुवा अडेवुमी और भारत के एथन वाज़ के बीच भिड़ंत होगी।

हर गेम में समय नियंत्रण होगा:

रेगुलर गेम: 10 मिनट प्रति खिलाड़ी

अगर ड्रॉ हुआ तो ओवरटाइम गेम: 5 मिनट प्रति खिलाड़ी

फिर भी ड्रॉ तो शूटआउट गेम: 1 मिनट प्रति खिलाड़ी

तब भी नतीजा नहीं निकला तो 1-1 मिनट के गेम चलते रहेंगे जब तक विजेता ना मिल जाए अमेरिका को घरेलू लाभ के तहत सभी बोर्ड्स पर सफेद मोहरों से खेलने का मौका मिलेगा। मैच का दूसरा चरण भारत में आयोजित होने की संभावना है।

सूर्यकुमार यादव ने हासिल की ऑरेंज कैप, कोहली, साई सुदर्शन को छोड़ा पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में विराट कोहली और साई सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए ऑरेंज कैप हासिल कर लिया।

सूर्यकुमार यादव ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 गेंदों में नाबाद 48 रन की पारी खेलते हुए इस सीज़न में अपने रन 475 तक पहुँचा दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट कोहली (443 रन) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बी साई सुदर्शन (456 रन) को पीछे छोड़ते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में पहला स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि सूर्यकुमार ने 11 मैच खेले हैं, वहीं सुदर्शन ने 9 और कोहली ने 10 मुकाबलों में ये रन बनाए हैं।

यशस्वी जयसवाल चौथे स्थान पर कायम

राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जयसवाल ने इस मैच में सिर्फ 11 रन बनाए और अब भी 439 रनों के साथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। जीटी के जोस बटलर (406 रन) और लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन (404 रन) भी

400 रनों का आंकड़ा पार करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं।

पर्पल कैप की दौड़ में हेज़लवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेज़लवुड 18 विकेट के साथ पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा 17 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं।

ट्रेंट बोल्ट की जबरदस्त छलांग: मुंबई इंडियंस के तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट ने तीन विकेट झटके और अब 11 मैचों में 16 विकेट लेकर पर्पल कैप तालिका में तीसरे नंबर पर पहुँच गए हैं। उनके ठीक नीचे चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद हैं, जिनके नाम 10 मैचों में 15 विकेट दर्ज हैं।

आईपीएल 2025: मुंबई ने 100 रन से जीता मैच, राजस्थान प्लेऑफ की रेस से बाहर

जयपुर। इंडिय प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 50वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को 100 रनों से मात दी है। इस जीत के साथ ही मुंबई ने जयपुर में अपने जीत के 13 साल के सूखे को भी समाप्त किया। वहीं, इस जीत के साथ मुंबई ने लगातार छह जीत दर्ज करते हुए प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

सवाई मान सिंह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई ने राजस्थान को 218 रन का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 119 रन पर ही ढेर हो गई। राजस्थान के लिए सबसे ज्यादा रन जोफ्रा आर्चन (30 रन) ने बनाए। आर्चन के अलावा, रियान पराग ने 16, शुभम दुबे ने 15, यशस्वी जायसवाल ने 13 और ध्रुव

जुरेल ने 11 बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट और कर्ण शर्मा को 3-3 सफलता मिली। जबकि जसप्रीत बुमराह को दो विकेट और दीपक चहर व हार्दिक पांड्या को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले टॉस हार बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 217 रन बनाए। रोहित और रिकल्टन ने अर्धशतकीय पारी खेली। मुंबई इंडियंस ने धीमी शुरुआत के बाद रफ्तार पकड़ी। रिकल्टन और रोहित के बीच पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। रिकल्टन 61 और रोहित 53 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, तीसरे विकेट के लिए सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या 94 रन की साझेदारी तक टीम को जीत दिला दी। सूर्या और हार्दिक ने 48-48 रन बनाए। राजस्थान की ओर से रियान पराग और महीष तीक्ष्णा को एक-एक विकेट मिला। आज की हार के साथ रियान पराग की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्य की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। इससे पहले, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई थी।

राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका, तेज गेंदबाज संदीप शर्मा आईपीएल 2025 से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल 2025 में एक बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइज़ी ने पुष्टि की कि संदीप की उंगली में फ्रैक्चर हुआ है और वे अब आगे नहीं खेल पाएंगे।

चोट के बावजूद दिखाई बहादुरी

31 वर्षीय संदीप शर्मा को यह चोट गुजरात टाइटंस के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले के दौरान लगी थी। अपनी ही गेंद पर शुभमन गिल का शॉट रोकने की कोशिश में उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया। इसके बावजूद उन्होंने बहादुरी दिखाते हुए अपने स्पेल की बची हुई 8 गेंदें डालीं। राजस्थान रॉयल्स ने एक बयान जारी कर कहा, संदीप ने जिस हिम्मत के साथ चोट के बावजूद गेंदबाजी की, वह काबिले तारीफ है। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

आईपीएल 2025 में संदीप शर्मा ने अब तक 10 मुकाबलों में 9 विकेट अपने नाम किए और उनका इकॉनमी रेट 9.89 रहा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उनकी जगह आकाश मधवाल को टीम में शामिल किया गया था। राजस्थान रॉयल्स की टीम मैनेजमेंट अब संदीप के रिप्लेसमेंट पर काम कर रही है। फ्रेंचाइज़ी ने कहा है कि जल्द ही उनके स्थान पर नए खिलाड़ी की घोषणा की जाएगी।

एमपीएस हॉट वैदर क्रिकेट प्रतियोगिता में मॉडर्न पब्लिक स्कूल बना विजेता, शिरडी सांईं उपविजेता

एजेंसी

मुरादाबाद। एमपीएस हॉट वैदर क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। जिसमें मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम विजेता बनी व शिरडी साईं पब्लिक स्कूल उपविजेता बनी। आज प्रतियोगिता के आखिरी दिन दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच खेले गए, पहला सेमीफाइनल मॉडर्न पब्लिक स्कूल बनाम बोनी एनी पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया, जिसमे एमपीएस की टीम जीती। दूसरा सेमीफाइनल मैच श्री सत्य साईं स्कूल बनाम शिरडी साईं पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया जिसमे शिरडी साईं की टीम जीती। फाइनल मैच मॉडर्न पब्लिक स्कूल और शिरडी साईं पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया जिसमे मॉडर्न पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 106 रनों का लक्ष्य दिया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिरडी साईं पब्लिक स्कूल की टीम 12 ओवर में 5 विकेट के

नुकसान पर केवल 60 रन ही बना पाई। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब मॉडर्न पब्लिक स्कूल के यश व्यास को मिला। बेस्ट बोलर का खिताब शिरडी साईं पब्लिक स्कूल के राजस को मिला। निर्णायक मंडल में अभिमन्यु, विशाल त्यागी, लवी पाल रहे ।इस अवसर पर खेल प्रशिक्षक शाहवेज़ अली, प्रधानाचार्य शकील अहमद, कॉर्डिनेटर सुशील कुमार, कोच नासिर हुसैन, यश अग्रवाल, विक्रम सिंह आदि उपस्थित रहे ।

आईआईएल : धर्मशाला पंहुचे पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ी

एजेंसी

धर्मशाला। आईपीएल के एचपीसीए स्टेडियम धर्मशाला में खेले जाने वाले मुकाबलों के लिए पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें वीरवार को धर्मशाला पंहुच गई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में पंजाब के खिलाड़ी अपने दूसरे होम ग्राउंड धर्मशाला में पहुंचे। धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स को करारी शिकस्त देने के बाद आईपीएल के प्वांइट टेबल में नंबर पांच से छलांग लगाते हुए पंजाब अब दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब किंग्स की टीम स्पेशल विमान के जरिए चैन्नई से कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंची। इसके साथ ही मेहमान टीम लखनऊ सुपर जायंटस टीम के कुछ सदस्य भी गुरूवार को गगल एयरपोर्ट में पहुंचने के बाद धर्मशाला के कंडी स्थित होटल में पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर बीफ संख्या में खिलाड़ियों के प्रशंसक भी मौजूद रहे। दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रेडिसन ब्लू ले जाया गया। इस दौरान पंजाब किंग्स व लखनऊ सुपर जांयटस के खिलाड़ी कांगड़ा हवाई अड्डे पर धौलाधार पर्वत श्रृंखला को भी निहारते हुए नजर आए। इससे पूर्व कांगड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर टीम के खिलाड़ियों का हिमाचल की संस्कृति से स्वागत किया गया। इसके बाद पंजाब किंग्स व लखनऊ के खिलाड़ियों को स्पेशल बसों द्वारा कांगड़ा हवाई अड्डे से धर्मशाला के लिए रवाना किया गया। इस दौरान पंजाब किंग्स के कैप्टन श्रेयस अय्यर, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मारको जॉनसन, हरप्रीत बर्रार, मार्कस स्टोइनिस, शशांक सिंह, जोश इंग्लिश आदि खिलाड़ी नजर आए। साथ ही लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान और स्पिनर रवि बिश्नोई की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एयरपोर्ट पहुंचे फैंस ने खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: असम की पहली टीम रवाना

एजेंसी

गुवाहाटी। 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए असम का पहला दल गुवाहाटी से रवाना हो गया। ये खेल 4 से 15 मई तक बिहार और दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। असम के शेफ डि मिशन और खेल एवं युवा कल्याण निदेशालय के सहायक निदेशक नबा बसुमतारी के अनुसार, बालिका कबड्डी और वॉलीबॉल टीमें राजधानी एक्सप्रेस से पटना के लिए रवाना हुईं। वहीं, जुडो, स्विमिंग, साइक्लिंग, सेपक टकरॉ और गतका के खिलाड़ी शुक्रवार को बसुमतारी के साथ यात्रा करेंगे।पहली बार बिहार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी सौंपी गई है। बिहार के पांच शहरों में विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि शूटिंग, जिम्नास्टिक और ट्रैक साइक्लिंग की प्रतियोगिताएं नई दिल्ली में आयोजित की जाएंगी।इस बार असम 27 खेलों में से 17 में हिस्सा लेगा। राज्य का दल कुल 135 सदस्यों का है, जिसमें 105 खिलाड़ी शामिल हैं – 42 लड़के और 63 लड़कियां। सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, असम द्वारा एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर टीम की

आधिकारिक जर्सी का अनावरण कर खिलाड़ियों को वितरित की गई, और राज्य सरकार की ओर से शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में विभाग के विशेष सचिव कौसर जमील हिलाली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही ओलंपियन तीरंदाज और अर्जुन पुरस्कार विजेता जयंत तालुकदार, अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन कोच अनुप कोंवर, और उपनिदेशक नील हरित कौशिक भी मौजूद थे। इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स में देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 10,000 खिलाड़ी भाग लेंगे।असम तैराकी, भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, शूटिंग, मुक्केबाज़ी, साइक्लिंग, थांग-ता, टेबल टेनिस, योगासन, गतका, कलारिपयट्टु, जुडो, जिम्नास्टिक, मल्लखंब, सेपक टकरॉ और बालिका कबड्डी और वॉलीबॉल में प्रतिभाग करेगा। पिछले वर्ष तमिलनाडु में आयोजित खेलों में असम ने 24 पदक जीतकर 17वां स्थान प्राप्त किया था, जो राज्य का असम के बाहर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। वहीं, असम का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2020 में गुवाहाटी में आयोजित तीसरे संस्करण में रहा, जब राज्य ने 76 पदक (20 स्वर्ण सहित) जीतकर कुल सातवां स्थान हासिल किया था।

ड्रीम लीग ऑफ इंडिया का भव्य शुभारंभ, टेनिस क्रिकेट को दिलाएगा अंतरराष्ट्रीय पहचान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस क्रिकेट को वैश्विक मंच पर ले जाने के उद्देश्य से सर्वोटेक स्पोर्ट्स ने राजधानी के होटल शांग्री-ला में ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) का भव्य शुभारंभ किया। यह अपनी तरह की पहली और अनूठी टेनिस क्रिकेट बॉल लीग है, जिसमें जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18+) दोनों श्रेणियों में छह-छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी।लीग के शुभारंभ समारोह में बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद को लीग कमिश्नर घोषित किया गया, जबकि प्रसिद्ध संगीतकार सलीम मर्चेंट को भी सेलिब्रिटी चेहरों में शामिल किया गया। यह पहल देशभर के युवाओं को टेनिस क्रिकेट टीम इंडिया की जर्सी पहनने का सपना साकार करने का अवसर देगी। खिलाड़ी ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या स्टार्जअप ऐप के जरिए खुद को ओपन फेयर ट्रायल्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। ये ट्रायल्स देशभर में 1,500 से अधिक सर्टिफाइड कोचों की निगरानी में आयोजित किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया के माध्यम से 860 जूनियर और 860 सीनियर खिलाड़ियों को डीएलआई ऑक्शन के लिए चुना जाएगा, जहां छह फ्रेंचाइज टीमें अपनी टीमों का चयन

करेंगी।ऑक्शन में चयनित खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) और टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआईढ्ढ) के चयनकर्ताओं की नजरों में आने का मौका मिलेगा। लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को भारत की टेनिस क्रिकेट टीम में प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा। वहीं, ऑक्शन से वंचित खिलाड़ी इंटर-ज़ोनल टूर्नामेंट में भाग लेंगे और वहां से जीतने वाली टीम ऑल-ज़ोनल चैंपियनशिप में उतरेगी। सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने कहा, ÷ड्रीम लीग ऑफ इंडिया हमारी उस सोच का हिस्सा है, जिसमें हम हर गली-मोहल्ले के खिलाड़ी को एक मंच देना चाहते हैं। अब टेनिस क्रिकेट में भी भारत को विश्व पटल पर छाने का मौका मिलेगा। सोनू सूद ने कहा, यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि सपनों को उड़ान देने का एक मंच है। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया उन हजारों युवाओं की प्रेरणा बनेगी जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने जुनून के पीछे भागते हैं। उन्होंने कहा कि ड्रीम लीग ऑफ इंडिया भारतीय टेनिस क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत है, जो देश के कोने-कोने से प्रतिभा को पहचान और सम्मान दिलाने का वादा करती है।

भीड़ में फंसी

श्वेता तिवारी

की बेटी, इस शख्स ने गोद में उठाकर पलक को गाड़ी से उतारा, वीडियो वायरल

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी अब बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं. उनकी फैन फॉलोविंग लाखों में है जो उनकी एक झलक के लिए कुछ भी कर जाते हैं. बीते रोज एक वीडियो सामने आया, जो वायरल हो रहा है. जब पलक एक इवेंट में पहुंचीं और भीड़ ने उनका गाड़ी से उतरना मुश्किल कर दिया तब वो कैसे उतरीं और कैसे अंदर गईं ये देखना दिलचस्प है.

फिल्म द भूतनी को लेकर मुंबई में एक इवेंट रखा गया था, जहां पलक तिवारी पहुंची. 29 अप्रैल की देर रात ये वीडियो सामने आया जब पलक इवेंट में जाने के लिए गाड़ी से उतरने की कोशिश करती हैं, लेकिन भीड़ की वजह से उतर नहीं पातीं, तब जो होता है उसी की वजह से पलक आज सुर्खियों में हैं.

पलक तिवारी को गाड़ी से उतारने वाला कौन है ?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पलक तिवारी को एक शख्स गोदी में उठाकर गाड़ी से उतरने में मदद करता है. अब फैंस इस वीडियो के कमेंट बॉक्स में अलग-अलग चीजें लिख रहे हैं. एक ने लिखा, 'ये इनका बॉयफ्रेंड है क्या ?' वहीं किसी दूसरे ने लिखा, 'नहीं, नहीं ये तो इनका बॉडीगार्ड हो सकता है.' ऐसे ही लोग अपने-अपने अनुमान लगा रहे हैं.

हालांकि, खबर ये है कि वीडियो में नजर आने वाला ये लड़का जिसने पलक तिवारी को गोद में उठाया है वो उनकी टीम में से एक है. गोद में उठाकर उसने पलक को भीड़ से बचाकर नीचे उतारा और फिर पलक इवेंट के लिए चली जाती हैं. इस इवेंट में संजय दत्त से लेकर मौनी रॉय तक, कई सितारे पहुंचे थे और पलक तिवारी भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं.

फिल्म का निर्देशन सिद्धांत कुमार सचदेव ने किया है और फिल्म को संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में संजय दत्त नजर भी आएंगे, इनके अलावा फिल्म में पलक तिवारी, सनी सिंह और मौनी रॉय भी अहम किरदारों में हैं. फिल्म का ट्रेलर और कई गाने पहले ही लॉन्च हुए, जिसे पसंद किया जा रहा है.

पलक तिवारी की डेब्यू फिल्म कौन सी थी ?

24 साल की पलक तिवारी की मां टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हैं और पिता एक्टर राजा चौधरी हैं. पलक के पैरेंट्स तलाक ले चुके हैं और पलक अपनी मां के साथ रहती हैं. पलक तिवारी ने 2021 में वेब सीरीज रोजी=द सैफरोन चैप्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. बॉलीवुड में इनकी पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान थी, जिसमें पलक तिवारी सलमान खान जैसे बड़े स्टार के साथ नजर आई थीं.

मलाइका अरोड़ा

के खिलाफ जारी होगा गैर जमानती वारंट? कोर्ट ने दी चेतावनी, सैफ अली खान से जुड़ा है केस

सैफ अली खान होटल विवाद मामले में मुंबई की एक अदालत ने मलाइका अरोड़ा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की चेतावनी दी है. साल 2012 में एक होटल में हुए झगड़े के मामले में मलाइका अरोड़ा को गवाह के तौर पर पेश होना था, लेकिन 29 अप्रैल को वो पेश नहीं हुईं.अदालत ने अप्रैल में ही मलाइका के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था. समन मिलने के बावजूद वो 29 अप्रैल को कोर्ट में पेश नहीं हुईं, इस पर अदालत ने नाराजगी जाहिर की है.कोर्ट ने कहा कि मलाइका को समन जारी किया गया था. समन की जानकारी होने के बावजूद वो जानबूझकर कोर्ट की कार्रवाई में पेश नहीं हुईं. इससे पहले कोर्ट ने मलाइका के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था और उन्हें 29 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था.

कोर्ट ने दी चेतावनी ?

मंगलवार को मामले की सुनवाई थी. मलाइका नहीं पहुंचीं, लेकिन उनके एक वकील कोर्ट में मौजूद थे. इसके बाद चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने कहा, जानकारी होने के बावजूद, वो जानबूझकर कोर्ट की कार्रवाई से बचने की कोशिश कर रही हैं. कोर्ट ने मलाइका को पेश होने के लिए आखिरी मौका दिया और कहा कि मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी.कोर्ट ने साथ में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मलाइका पेश नहीं होती हैं तो उनके खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है. कोर्ट ने पहली बार 15 फरवरी को मलाइका के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था. 8 अप्रैल को दोबारा कोर्ट ने उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया.

क्या है पूरा मामला ?

22 फरवरी 2012 को सैफ अली खान अपने कुछ दोस्तों के साथ एक फाइव स्टार होटल में डिनर के लिए गए थे. उस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा और कुछ परुष दोस्त थे. वहां उनका एनआरआई बिजनेसमैन इकबाल मीर शर्मा से झगड़ा हो गया था.

अजय देवगन की 'रेड' के आगे इस मामले में पिछड़ी संजू बाबा की 'भूतनी'... क्या संजय हार जाएंगे ये बाजी?

अजय देवगन की फिल्मों को लेकर लोग काफी एक्साइटेड रहते हैं. साल 2018 में अजय की फिल्म आई थी जिसका नाम था रेड. अब जल्द ही इस फिल्म का दूसरा पार्ट यानी सीक्वल रिलीज के लिए तैयार है. रेड 2 पहले से भी ज्यादा इंटेंस और मजेदार होने वाली है. कल अजय की रेड 2 रिलीज हो रही है. लेकिन अजय की रेड 2 के साथ संजू बाबा की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूतनी का बड़ा क्लैश है.कल यानी 1 मई को अजय की रेड 2 और संजय दत्त और मौनी रॉय की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूतनी रिलीज होने वाली है. इस जंग के लिए अभी लगभग 12 घंटों का समय है, लेकिन उससे पहले ही संजू बाबा इस एक बात में अजय से अभी से काफी पीछे हैं. आईए जानते हैं कि आखिर कहां संजय अजय से पीछे रह गए.

इस मामले में पिछड़ी भूतनी

बुक माई शो एप पर दोनों फिल्मों की बुकिंग की जा रही है. लोगों से दोनों फिल्मों को ठीकठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर दोनों के बीच एक जंग देखने को मिल रही है, जहां इंटरेस्ट के मामले में अजय की रेड ने संजू की भूतनी को मात दे दी. जहां खबर लिखे जाने तक 220.1 हजार लोगों ने रेड देखने में दिलचस्पी दिखाई है, तो वहीं भूतनी के लिए केवल 38.7 हजार लोग एक्साइटेड हैं.

संजय दत्त क्यों हैं नाखुश ?

वैसे तो असल जिंदगी में सिर्फ अजय देवगन ही नहीं बल्कि इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों के साथ संजय दत्त की दोस्ती है. लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अजय देवगन की फिल्म रेड 2 के मुकाबले संजू बाबा की फिल्म द भूतनी को थिएटर मालिक और डिस्ट्रीब्यूटर से मिल रही ट्रीटमेंट से न तो संजय दत्त खुश हैं, न ही इस फिल्म के मेकर्स.

हाल ही में अपनी फिल्म के नए गाने को लॉन्च करते समय संजय दत्त ने मीडिया के सामने अपना दर्द बयां किया. एक ही इंडस्ट्री का हिस्सा होने के बावजूद अपनी फिल्म के लेकर हो रहे भेदभाव से संजय दत्त बिल्कुल भी खुश नहीं हैं.

क्या सलमान खान सिकंदर के Flop होते ही हज पर गए? दुआ मांगते तस्वीर वायरल, ये है सच्चाई

अभिनेता सलमान खान के चाहने वालों की कमी नहीं है. भले ही उनकी पिछली फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई न कर पाई हो, लेकिन उनके फैंस के दिलों में उनके लिए प्यार जर्रा बराबर भी कम नहीं हुआ है. इसका सबूत ये है कि सलमान खान से जुड़ी कोई भी चीज़ सोशल मीडिया पर आती है तो वो तुरंत वायरल हो जाती है. अब सलमान की एक तस्वीर जमकर वायरल हो रही है, जिसमें वो मक्का में काबा परिसर में खड़े होकर दुआ मांगते नज़र आ रहे हैं. पर इस तस्वीर की सच्चाई कुछ और ही है. आइए बताते हैं.

दरअसल सलमान खान की जो तस्वीर आप देख रहे हैं वो असली नहीं है. इस तस्वीर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से बनाया गया है. इस तस्वीर को हाजी सलमान (सलमान खान) नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से 28 अप्रैल को शेयर किया गया था. इसके साथ कैप्शन में लिखा था, अल्लाह हिदायत दे. साथ में दुआ मांगने वाली इमोजी भी कमेंट की गई थी.

फेक फोटो कर दी शेयर

तस्वीर दो दिन पहले अपलोड की गई थी. सलमान खान नाम के इस शख्स के इंस्टाग्राम पर 1.8 मिलियन यानी करीब 18 लाख फोलोवर्स हैं. दो दिनों में इस तस्वीर पर 3 लाख 85 हज़ार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं. इसके अलावा 2 हजार से ज्यादा कमेंट्स इस पोस्ट पर हो चुके हैं. हाजी सलमान के इंस्टा को खंगालने से पता चलता है कि वो आम तौर पर सलमान की तस्वीरें नहीं शेयर करते हैं. ऐसे में ये ज्यादा मुमकिन है कि एआई वाली तस्वीर को उन्होंने कहीं देखा हो और अपलोड कर दिया हो.

तस्वीर को गौर से देखेंगे तो आप खुद ही समझ जाएंगे कि ये असली नहीं है. सलमान खान के हाथों की उंगलियां, उनके होंठ, दाढ़ी, हाथ, कई चीजें सामान्य नहीं लग रही हैं. थोड़ी सी गहराई से देखते ही आप समझ जाएंगे कि तस्वीर में झोल है. इसके अलावा एक बात ये भी है कि सलमान खान जैसा बड़ा स्टार अगर हज या उमराह के लिए मक्का जाएगा तो हर जगह यही खबर चलेगी. ऐसे में आपको यही सलाह है कि कोई भी चीज़ जब भी देखें तो चार बार देखें. तुरंत उसे सच न मानें. शक होने पर सच्चाई का पता करें और उसके बाद ही कुछ शेयर करें.

कमेंट्स की आ गई बाढ़

सलमान को उमराह वाले लिबास में और काबा में दुआ मांगता देख उनके फैंस खुशी से झूम उठे. एक ने लिखा, अल्लाह पाक हर मुसलमान को हिदायत दे. इसके अलावा कई लोगों ने माशाल्लाह लिखा. हालांकि कई लोगों ने तुरंत पकड़ लिया कि ये तस्वीर असली नहीं है. कई लोगों ने हाजी सलमान को बताया भी है कि ये तस्वीर आई से बनाई गई है और ऐसी तस्वीर न डाला करें. हालांकि दो दिन होने के बाद भी इस तस्वीर को डिलीट नहीं किया गया है.

गुंडों को नहीं बनाया जाए रायगढ़ का संरक्षक मंत्री: राउत

मुंबई

महाराष्ट्र में संरक्षक मंत्री पद को लेकर छिड़े विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शिवसेना शिंदे पर कटाक्ष किया। संजय राउत ने कहा कि गुंडों को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री नहीं बनाया जाना चाहिए। संजय राउत ने कहा कि रायगढ़ जैसे जिले का संरक्षक पद गुंडों के पास नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसे व्यक्ति के पास होना चाहिए जो संतुलित हो और भ्रष्टाचार से लड़ सके। अदिति तटकरे एक सक्षम मंत्री और राज्य का युवा चेहरा हैं। वह रायगढ़ जिला परिषद की अध्यक्ष रह चुकी हैं और जिले को अच्छी तरह जानती हैं। वह धैर्यवान हैं और भ्रष्ट नहीं हैं।

महायुति गठबंधन में संरक्षक मंत्री पद को लेकर विवाद

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के सहयोगी शिवसेना और एनसीपी के बीच रायगढ़ के संरक्षक मंत्री पद को लेकर खींचतान चल रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले महिला एवं बाल विकास मंत्री और एनसीपी नेता अदिति तटकरे को जिले का संरक्षक मंत्री नियुक्त किया था। इस कदम से शिवसेना नाराज हो गई, क्योंकि उसके पार्टी नेता और रोजगार गारंटी मंत्री भरत गोगावाले भी इस पद के लिए दावेदारी कर रहे थे। इसके बाद फडणवीस ने निर्णय स्थगित कर दिया। किसी भी जिले के प्रभारी मंत्री जिले में विकास के लिए फंड आवंटित करने और विभिन्न विकास कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। रायगढ़ में जल्द ही नए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण होना है, साथ ही कई आवासीय योजनाएं भी प्रस्तावित हैं। ऐसे में रायगढ़ अहम जिला हो जाता है

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने फिर उगला जहर

नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। इस बीच खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू ने भारतीय सिख सेना के जवानों के लिए भड़काऊ संदेश पोस्ट किया। खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारतीय सेना में शामिल सिख सैनिकों से अपील की है कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध करता है तो वे इस लड़ाई में शामिल न हो।

फिल्म की कहानी आपको झकझोरकर रख देगी

दिव्या दिल्ली : इस हफ्ते रिलीज हुई साउथ स्टार नानी की फिल्म हिट द थर्ड केस है, इस फिल्म में जबरदस्त सस्पेंस क्राइम के साथ थ्रिलर है। आपको दमदार कहानी के साथ ही जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस है। फिल्म की कहानी और कई सीन आपको हिलाकर रख देंगे। अगर अगर आप पिछले दिनों हिट रही स्त्री 2 , भूल भुलैया 3 जैसी एक्शन, थ्रिल , हॉरर, कॉमेडी देखने का प्लान बना रहे हैं तो आप इस फिल्म को जरूर देखने जाए ।स्टोरी प्लॉट फिल्म की कहानी आपको झकझोरकर रख देगी। इसमें डार्क वेबसाइट के बारे में दिखाया गया है, जो क्राइम की नई दुनिया है। इसमें जम्मू-कश्मीर की कहानी है, जिसमें लोग झूठी आजादी के नाम पर मासूम बच्चों तक का बेरहमी से कत्ल करने तक को तैयार हैं। कहानी खूनी खेल की है, जिसे मिटाने का काम एक मूडी और साइको पुलिस अफसर एसपी अर्जुन सरकार करता है। कहानी में कई कड़ियां हैं, जिसे खोजते-खोजते पूरी फिल्म खत्म हो जाती है।

इसे आप वन मैन फिल्म कह सकते हैं। फिल्म का ट्रीटमेंट गजब का है। फिल्म शुरूआत से ही फ्रेम से आपको बांध लेती है। शुरूआत में आपको नानी जेल में दिखाई देते हैं लेकिन फिर अंत में जो होता है वो कमाल होता है। फिल्म के कुछ सीन्स को आप देखते रह जाएंगे इस फिल्म का एक्शन ज्यादा हाई लेवल का हैं। कुछ वक्त पहले तक हीरो सीन में आठ दस को मारता था लेकिन अब दर्शकों ऐसे सींस में मजा नहीं आता। बल्कि अब तो हीरो दर्जनों को मारता है और दर्शक ऐसे एक्शन सीक्वंस का मजा लेते है, ऐसे सींस इस में है ओवर ऑल फिल्म की कहानी ठीकठाक है दमदार एक्टिंग के साथ बेहतरीन स्टोरी में फिट स्टार कास्ट और सोने पर सुहागा फिल्म का कसाहुआ क्लाइमैक्स दर्शको के लिए पैसा वसूल है। मेरी नजर में फिल्म के कुछ सींस ऐसे है जिन्हें देख आप हिल जायेंगे। डायरेक्टर सैलेश कोलानू की खास तौर से तारीफ करनी होगी कि उन्होंने अपने बेहतरीन डायरेक्शन से फिल्म का क्लाइमैक्स ऐसा है आप दिल थामे रहेंगे और आपकी पलक तक नहीं झपकेगी और आगे क्या होगा यह जानने के लिए आपकी उत्सुकता बढ़ जाएगी कि आगे क्या होगा।

एनसीआईआईपीसी-एआईसीटीई पेंटाथलॉन 2025 का ग्रैंड फिनाले गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में आयोजित

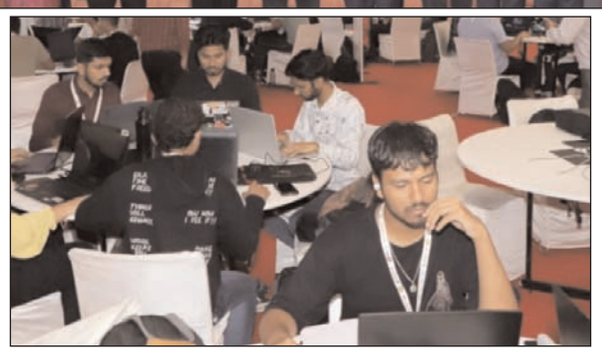

दिव्या दिल्ली : राष्ट्रीय क्रिटिकल सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (एनसीआईआईपीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) पेंटाथलॉन 2025 का ग्रैंड फिनाले गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के द्वारका कैम्पस में आयोजित किया जा रहा है। देश भर से 20,732 प्रतिभागियों में से 235 छात्रों का चयन इस राष्ट्रीय स्तर की साइबर सुरक्षा पेंटेस्टिंग चुनौती के ग्रैंड फिनाले के लिए किया गया है।एनसीआईआईपीसी, एआईसीटीई और शिक्षा मंत्रालय की नवाचार सेल इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें अमृता विश्वविद्यालय प्लेटफॉर्म पार्टनर और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय वेन्यू पार्टनर है। ग्रैंड फिनाले राउंड 1 मई से शुरू हुआ है और 3 मई को संपन्न होगा, जिसमें विजेताओं की घोषणा की जाएगी। विजेता टीमों को पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए क्रमशः 2.50 लाख, 1.50 लाख और 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। व्यक्तिगत पुरस्कार भी 1 लाख, 75 हजार और 50 हजार रुपये के होंगे।इसके अलावा, शॉर्टलिस्टेड प्रतिभागियों को इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी और राष्ट्रीय पेंटेस्टिंग पूल में शामिल होने का अवसर मिलेगा। उद्घाटन समारोह में एनसीआईआईपीसी के महानिदेशक श्री नवीन कुमार सिंह ने कहा कि इस चुनौती का उद्देश्य भारतीय क्रिटिकल सूचना अवसंरचना को सुरक्षित करने के लिए साइबर सुरक्षा प्रतिभा के एक स्वदेशी इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है।एआईसीटीई के उपाध्यक्ष डॉ. अभय जारे ने कहा कि हमें अपने देश में नवाचार की संस्कृति विकसित करनी होगी और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के बजाय ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना होगा। आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने कहा कि आज साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता है और इस तरह की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जागरूकता, विशेषज्ञता और नवाचार को बढ़ावा देने का एक शानदार तरीका है।

टेनिस क्रिकेट बॉल की लीग "ड्रीम लीग ऑफ इंडिया" का भव्य लॉन्च

भारतीय टेनिस क्रिकेट को ग्लोबल मंच पर ले जाने का संकल्प

दिव्या दिल्ली : सवोर्टेक स्पोर्ट्स ने गुरुवार को होटल शांग्री-ला, नई दिल्ली में ड्रीम लीग ऑफ इंडिया का भव्य लॉन्च किया, जो अपनी तरह की अनूठी टेनिस क्रिकेट बॉल लीग है। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया जूनियर (13-18) और सीनियर (18+) दोनों के लिए होगी, जिसमें दोनों श्रेणियों में छह फ्रेंचाइजी भाग लेंगी। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद को ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के लिए लीग कमिश्नर नियुक्त किया गया है। लीग में शामिल होने वाले 6 सेलिब्रिटी चेहरों में से एक प्रशंसित संगीत आइकन सलीम मर्चेंट हैं। सवोर्टेक स्पोर्ट्स द्वारा शुरू की गई ड्रीम लीग ऑफ इंडिया, भारतीय टेनिस क्रिकेट में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए समर्पित है।सवोर्टेक स्पोर्ट्स का लक्ष्य बेहतरीन ग्रासरूट्स के टैलेंट को निखारना है, जिसमें टॉप परफॉर्मेंस करने वालों को टेनिस क्रिकेट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेनिस क्रिकेट बॉल टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।ड्रीम लीग ऑफ इंडिया में खेलने के लिए ऑफिसियल वेबसाइट या स्टारजपिट ऐप पर प्लेयर्स खुद को ओपन फेयर ट्रायल्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। यह ट्रायल्स 1,500 से अधिक सर्टिफाइड कोचों की देखरेख में भारत के कई जिलों और केंद्रों में आयोजित किये जायेंगे। इन फेयर ट्रायल्स से, 860 जूनियर और 860 सीनियर प्लेयर्स को डीएलआई ऑक्शन के लिए चुना जाएगा, जहां हर केटेगरी में छह फ्रेंचाइजी अपनी टीम चुनेंगी। ट्रायल्स से चुने गए खिलाड़ी ड्रीम लीग ऑफ इंडिया ऑक्शन में हिस्सा करेंगे।लीग में टॉप परफॉर्म करने वाले प्लेयर्स को अंतर्राष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) और टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) के सेलेक्टर्स द्वारा टेनिस क्रिकेट में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, ऑक्शन से बचे हुए प्लेयर्स देश के सबसे बड़े ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के इंटर-जोनल टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगे, जिसमें जोनल चैंपियन ऑल-जोनल चैंपियनशिप में आगे बढ़ेंगे।

विनिंग टीम सीजन 2 के ओपनर में सीजन 1 फ्रैंचाइज चैंपियन का सामना करेगी जिससे प्रत्येक खिलाड़ी को पहचान और राष्ट्रीय गौरव का मार्ग मिले। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के शुभारंभ पर बोलते हुए, सवोर्टेक स्पोर्ट्स के डायरेक्टर, ऋषभ भाटिया ने कहा कि, "सवोर्टेक स्पोर्ट्स में हम सपनों को सच्चाई में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया ग्राससरूट लेवल पर सशक्तिकरण में हमारे विश्वास और भारत को खेलों में नए क्षेत्रों में हावी होते देखने के हमारे जुनून को दर्शाता है। अब हर गली के हर युवा खिलाड़ी के पास टेनिस क्रिकेट बॉल इंडिया की जर्सी पहनने का असली मौका होगा।"

इस्कॉन द अमेरीलिस करोल बाग में भगवान के प्रथम दर्शन 4 मई को

दिव्या दिल्ली : इस्कॉन द्वारका की ओर से सेंट्रल दिल्ली के करोल बाग में श्री श्री राधा मदन गोपाल का एक नया मंदिर द अमेरीलिस इस्कॉन खुलने जा रहा है। जिसके विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा 4 मई को दोपहर 12 बजे की जाएगी। मंदिर के उद्घाटन का विधिवत समारोह 2 मई से वास्तु शांति होम यज्ञ और नरसिंह यज्ञ के साथ आरंभ किया गया। इस अवसर परम पूजनीय भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज उपस्थित थे। उन्होंने मंदिर के उद्घाटन अवसर पर भक्तों को शुभकामनाएँ दीं और इस्कॉन द्वारका को इसी तरह अनेक मंदिरों के निर्माण के लिए शुभाशीष प्रदान किया। 2 से 4 मई तक आयोजित इस समारोह में 3 मई को शिल्प दोष स्नान और अधिवास आदि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। फिर 4 मई हजारों भक्तों के बीच प्रातः 10 बजे महा अभिषेक का कार्यक्रम है और उसके बाद फिर प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ संपन्न किया जाएगा। तत्पश्चात दोपहर 1 बजे सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। फिर दोपहर 2 बजे श्री श्री राधा मदन गोपाल के प्रथम दर्शन भक्तों के लिए खोले जाएँगे। सुगंधित पुष्पों एवं अनेक सजावटी वस्तुओं से सजे ऑल्टर में भक्तगण भगवान की कृपा प्राप्त करेंगे। सेंट्रल दिल्ली में इस्कॉन द अमेरीलिस का खुलना वैष्णव परंपरा के प्रति लोगों की अपार श्रद्धा एवं प्रेम की परिचायक है। इससे सिद्ध होता है लोग आज भी अपनी परंपराओं से जुड़े हैं और बच्चों में भी यही संस्कार विकसित करना चाहते हैं और रिहायशी सोसाइटीज में इस तरह के मंदिरों का वे खुलकर स्वागत करते हैं। इस्कॉन द्वारका आप सभी को श्री श्री राधा मदन गोपाल मंदिर के भव्य उद्घाटन के लिए हार्दिक आमंत्रित करता है। इस्कॉन द्वारका के उपाध्यक्ष श्रीगौर प्रभु का कहना है कि– ऐतिहासिक दिल्ली के कोने-कोने में इसका रोचक इतिहास छुपा हुआ है। बरसों पहले सेंट्रल दिल्ली के करोल बाग में जहाँ डीसीएम मिल का क्लाथ हाउस हुआ करता था, अब यहाँ इस्कॉन द अमेरीलिस स्थापित किया जा रहा है। मंदिर की स्थापना में यूनिटी ग्रुप ने सहयोग किया है जिन्होंने यहाँ के आवासीय परिसर में मंदिर के माध्यम से आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाने का भी एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है। इस्कॉन द्वारका के अध्यक्ष प्रद्युमन प्रिय प्रभु का कहना है कि– हमें खुशी है कि अनेक प्रयासों के बाद राजधानी दिल्ली का दिल कहा जाने वाली सेंट्रल दिल्ली में भी अब इस्कॉन मंदिर की स्थापना की जा रही है। इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद चाहते थे कि कलियुग में बद्ध जीवों के उद्धार के लिए हरिनाम के प्रचार के साथ-साथ जगह-जगह मंदिरों का निर्माण हो। लोग प्रतिदिन भगवान के दर्शन करें, उन्हें पुष्प अर्पित करें, दीप-धूप दिखाएँ, अपने भावानुसार भोग अर्पण करें अर्थात विग्रहों की किसी न किसी रूप में सेवा करें। ऐसे में रिहायशी इलाकों में मंदिरों की स्थापना जरूरी है। इस्कॉन द्वारका की ओर से इस्कॉन चाँदनी चौक व इस्कॉन बिजवासन के बाद इस्कॉन द अमेरीलिस करोल बाग तीसरा मंदिर है। इसके मूल में हमारी प्रेरणा के स्रोत परम पूजनीय गोपाल कृष्ण महाराज हैं, जो नित्य-लीला प्रविष्ट होने के बाद भी कदम-कदम पर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

अब कोई रुकावट नहीं – प्रेस गैलरी और स्पीकर गैलरी से दिखेगा सीधा सदन

दिव्या दिल्ली : जनता के प्रति पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, दिल्ली विधान सभा में स्पीकर गैलरी और प्रेस गैलरी को घेरने वाले काँच के पैनलों को हटा दिया गया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता के निर्देश पर लिया गया है, ताकि सदन की कार्यवाही को अधिक खुलापन और पहुंच प्रदान की जा सके।इस निर्णय का उद्देश्य उन भौतिक अवरोधों को समाप्त करना है जो विधानसभा की कार्यवाही के स्पष्ट अवलोकन में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। अब मान्यता प्राप्त पत्रकार बिना किसी व्यवधान के सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष और स्पष्ट रूप से अवलोकन कर सकेंगे, जिससे समाचारों की सटीक और त्वरित रिपोर्टिंग संभव हो सकेगी।माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने कहा, ह्लमीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। उनके कार्य में कोई भी रुकावट या बाधा स्वीकार्य नहीं हो सकती। यह विधानसभा जनता की है और प्रेस की भूमिका जनता को सूचित रखने की है। विधानसभा की कार्यवाही में पारदर्शिता अनिवार्य है।ह्वश्री गुप्ता ने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा इन अवरोधों की स्थापना, खुले शासन और प्रेस की स्वतंत्रता की मूल भावना के विपरीत थी। इन काँच के अवरोधों को हटाकर, दिल्ली विधानसभा ने मीडिया को सशक्त बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को जनदृष्टि में लाने के अपने संकल्प को पुनः स्पष्ट किया है।यह पहल लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को मजबूत करने और विधानसभा को एक पारदर्शी, जन-केंद्रित संस्था के रूप में पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईपीयू ने किया अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिजपोर्ट के साथ एमओयू

दिव्या दिल्ली : आईपी यूनिवर्सिटी ने अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिजपोर्ट के साथ एक एमओयू किया है। इस एमओयू पर आईपी यूनिवर्सिटी की ओर से इसके कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा और उस अमेरिकन यूनिवर्सिटी की ओर से प्रो. नवरून गुप्ता ने हस्ताक्षर किएँ।इस एमओयू का मकसद इंजीनियरिंग में यूजी एवं पीजी स्तर पर ड्यूल डिग्री के कॉन्सेप्ट पर काम करना है। कॉन्सेप्ट यह है कि यूजी के दो साल आईपीयू में हो और दो साल उस अमेरिकन यूनिवर्सिटी में हो। उसी तरह पीजी का एक साल यहां हो और दूसरा साल वहां हो।या दो साल यहां हो और और तीन साल उस अमेरिकन यूनिवर्सिटी में करके बी. टेक- एम. टेक की ड्यूल डिग्री दी जाए इस अवसर पर बोलते हुए आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति ने कहा कि हम अपना ग्लोबल फुटप्रिंट बढ़ा रहे हैं।यह एमओयू उस दिशा में उठाया गया एक और कदम है। उन्होंने कहा कि हम इस तरह के संयुक्त ड्यूल डिग्री प्रोग्राम नर्सिंग में भी चलाने की सोच रहे हैं।

"सभी बेटियों के लिए एक मजबूत आवाज- और मैं हूं वो आवाज!"

लेखक अभिषेक गुप्ता

कभी ना समझी गई एक सच्चाई को मैं आज आवाज देता हूं। रेप और हिंसा को अब हर कीमत पर रोकना होगा। हमारे समाज में जिस तरह से बेटियों के साथ अत्याचार हो रहे हैं, उसकी जिम्मेदारी हम सभी पर है।एक महीने में, पूरे भारत में इस घिनौनी क्राइम को रोकने के लिए मैं हर रास्ता अपनाऊंगा। मीडिया से लेकर कानून तक, एक भी चैनल को नहीं छोड़ूंगा।आप सबकी मदद और समर्थन से, हम एक ऐसा डर उत्पन्न करेंगे कि कोई भी गली का दरिंदा दूसरी बार ऐसी हरकत करने से पहले सोचने पर मजबूर हो जाएगा। हम सिर्फ बातें नहीं करेंगे, हम एक नया सिस्टम बनाएंगे, जहां हर बेटी को सुरक्षा मिलेगी और हर अपराधी को सजा। हमारी बेटियाँ अब किसी भी खौफ से बाहर निकलने के लिए तैयार हैं – और मैं उनका साथ देने के लिए हमेशा तैयार हूं। हमारी लड़ाई सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम और मानसिकता के खिलाफ है। किसी भी बेटी के साथ गलत नहीं होगा और अगर हुआ, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मैं शुरू करता हूं, आप भी मेरा साथ दीजिए। इसमें एक महीने की नहीं, एक पूरी पीढ़ी की लड़ाई है। हम इसे हर हाल में जीतेंगे।

इंटर पैसेंजर टर्मिनल शो 2025 में भविष्य के लिए तैयार हवाई अड्डे की तकनीक पर प्रकाश डाला

दिव्या दिल्ली : भारत को शीर्ष तीन वैश्विक विमानन बाजारों में स्थान दिलाने के भारत सरकार के विजन के समर्थन में, इंटर पैसेंजर टर्मिनल शो 2025 ने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा को अपने हवाईअड्डा भागीदार के रूप में शामिल किया है। मुंबई के बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 11-12 जून, 2025 को निर्धारित इस कार्यक्रम में अगली पीढ़ी के हवाईअड्डा समाधान, एआई/एमएल-संचालित तकनीक और उन्नत यात्री अनुभव नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा।पुष्टि किए गए प्रतिभागियों में डोरमाकाबा, डिजी यात्रा, डायमंड इंजीनियरिंग, वाइसल, एचएचजी इंडस्ट्रीज, किमोहा, कॉग्निटेक, लियोनार्डो, इनप्रोकॉर्प और डुओ डेसीमल जैसे वैश्विक और घरेलू नेता शामिल हैं। इंटर पैसेंजर टर्मिनल शो 2025 का लक्ष्य हवाईअड्डा बुनियादी ढांचा पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर उच्च स्तरीय सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक रणनीतिक मंच बनना है 2025 और 2027 के बीच हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में निवेश ?60,000 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। इस अवधि के दौरान यात्री यातायात 8-9% की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें घरेलू यात्रा सबसे अधिक होगी। क्रिसिल के अनुसार, हवाई यातायात में साल-दर-साल 8-11% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 में 407-418 मिलियन यात्रियों तक पहुँच जाएगा। जनवरी 2025 में अकेले घरेलू यात्री यातायात में 14.5% की वृद्धि हुई, जो कि कोविड-पूर्व स्तरों से लगभग 18% अधिक है।भारत 2052 तक दुनिया के शीर्ष विमानन बाजारों में से एक के रूप में उभरने के लिए तैयार है, इंटर पैसेंजर टर्मिनल शो 2025 हितधारकों के लिए स्मार्ट, स्केलेबल और तकनीक-संचालित हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे पर सहमति बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। मीडिया फ्यूजन एलएलसी (कार्यक्रम के आयोजक) के प्रबंध निदेशक ताहिर पात्रावाला ने इस आयोजन के महत्व पर जोर देते हुए कहाः "इंटर पैसेंजर टर्मिनल शो 2025 का उद्घाटन संस्करण भारत में हवाई अड्डे के नवाचार के भविष्य को आकार देने में एक गेम-चेंजर साबित होगा। केंद्रीय बजट 2025 में भविष्य के लिए तैयार यात्रा पारिस्थितिकी तंत्र पर जोर दिया गया है, ऐसे में विमानन आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक बनने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम सहयोग, प्रौद्योगिकी अपनाने और रणनीतिक साझेदारी के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा क्योंकि हम भारतीय विमानन क्षेत्र में हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल डिजाइन, संचालन और बेहतर यात्री अनुभव के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति, अत्याधुनिक तकनीक और अभिनव समाधान लाएंगे। हम ज्ञान-साझाकरण और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी वैश्विक और भारतीय ब्रांडों को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हैं।"भारत के विमानन क्षेत्र ने पिछले दस वर्षों में 40% से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि देखी है, जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की परिवर्तनकारी दृष्टि का प्रमाण है। उड़ान योजना ने क्षेत्रीय संपर्क में क्रांति ला दी है - 1,300 से अधिक मार्गों को प्रदान करना और 517 को चालू करना - यहां तक कि आम आसमान के माध्यम से देश के सबसे दूरस्थ कोनों को जोड़ना। महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण, महाराष्ट्र विमानन उद्योग के विकास के लिए सर्वोत्तम विमानन बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए एक उदाहरण के रूप में खड़ा है, जो अमरावती में एयर इंडिया द्वारा संचालित देश में सबसे बड़े एफटीओ की मेजबानी करता है। कनेक्टिविटी में यह उछाल समुदायों को सशक्त बनाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में सहायक है। जैसा कि हम भविष्य के लिए तैयार विमानन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण जारी रखते हैं महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड की वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक स्वाति पांडे ने कहा कि संशोधित उड़ान योजना से वंचित क्षेत्रों में हवाई यात्रा की पहुंच बढ़ेगी, जिससे विकास को बढ़ावा मिलेगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397